twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 08 मई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 180, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पाक आतंकियों के ठिकाने पर एयर स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर-भारत ने पहलगाम हमले का बदला लिया, पाकिस्तान पर 24 मिसाइल दागीं, आतंकी मसूद अजहर के 10 रिश्तेदार ढेर

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाक... देर रात शहबाज का संबोधन, बोले- खून की हर बूंद का बदला लेंगे, पुंछ सेक्टर में पाक कर रहा गोलीबारी

आतंक के नौ ठिकानेः आगे डॉक्टर-पीछे आतंकी; जहां से दहशतगर्द सिर उठा रहा थे, भारत ने उन्हीं जगहों को कुचला

नई दिल्ली

6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे। इन ठिकानों में आतंकियों को भर्ती किया जाता था। उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था। उनके दिमाग में जहर भरा जाता था। ऑपरेशन सिंदूर में यह खास ध्यान रखा गया कि पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों, रिहाइशी इलाकों और आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

1. सवाई नाला कैम्प, मुजफ्फराबाद, पीओके
कहांः नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर।
किसका कैम्पः लश्कर-ए-तैयबा।

2024 में सोनगर्म और गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों के साथ-साथ पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को पर्यटकों पर हुए हमले को अंजाम देने आए आतंकियों ने इसी शिविर में प्रशिक्षण लिया था। यह आतंकी शिविर 2000 में शुरू हुआ था। पाकिस्तान की फौज और आईएसआई के अफसर अक्सर यहां आते थे।

मरकज सैयदना बिलाल कैम्प, मुजफ्फराबाद, पीओके
किसका कैम्पः जैश-ए-मोहम्मद।
यहां हथियार, विस्फोटक रखे जाते थे।

यहां आतंकियों को घने जंगलों में जिंदा रहने का प्रशिक्षण दिया जाता था। पाकिस्तानी सेना का स्पेशल सर्विसेस ग्रुप यहां पर आतंकियों को ट्रेनिंग देने आता था।

3. गुलपुर कैम्प, कोटली, पीओके
कहांः नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर।
किसका कैम्पः लश्कर-ए-तैयबा।

राजौरी और पुंछ में सक्रिय आतंकी इसी कैम्प से प्रशिक्षण प्राप्त करते थे। पुंछ में 20 अप्रैल 2023 को हुए हमले और रियासी में 9 जून 2024 को तीर्थयात्रियों पर हमला करने आए आतंकियों ने भी यहीं से ट्रेनिंग ली थी।

4. बरनाला कैम्प, भीमबेर, पीओके
कहांः नियंत्रण रेखा से नौ किमी दूर।
किसका कैम्पः लश्कर-ए-तैयबा।

यहां हथियार, आईईडी रखे जाते थे। आतंकियों को घने जंगलों में जिंदा रहने का प्रशिक्षण दिया जाता था। यहां एक बार में 100 से ज्यादा आतंकी रुक सकते थे।

5. अब्बास कैम्प, कोटली, पीओके
कहांः नियंत्रण रेखा से 13 किमी दूर।
किसका कैम्पः लश्कर-ए-तैयबा/जैश-ए-मोहम्मद

यहां पर लश्कर के फिदायीन दस्ते तैयार किए जाते थे। एक बार में 15 आतंकियों को प्रशिक्षण देने लायक जगह थी। माना जाता है कि जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी कारी जरार भी यहां आता था। पुंछ और राजौरी सेक्टर में घुसपैठ के लिए यहीं से आतंकी तैयार होते थे।

पाकिस्तान के अंदर मौजूद चार आतंकी ठिकाने

6. सरजल कैम्प, सियालकोट, पाकिस्तान
कहांः अंतरराष्ट्रीय सीमा से छह किमी दूर।
किसका कैम्पः जैश-ए-मोहम्मद।

मार्च 2025 में जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों की जिन आतंकियों ने हत्या की, उन्होंने यहीं ट्रेनिंग हासिल की थी। जैश का आतंकी अब्दुल रउफ असगर इस कैम्प को चलाता था। यहीं पर आतंकियों को सुरंगें खोदना सिखाया जाता था। यहीं से आतंकी ड्रोन के जरिए हथियार और नशे की खेप भारत में भेज रहे थे।

7. महमूना जोया कैम्प, सियालकोट, पाकिस्तान
कहांः अंतरराष्ट्रीय सीमा से 12 से 18 किमी दूर।
किसका कैम्पः हिजबुल मुजाहिदीन।

यहीं से प्रशिक्षण लेने के बाद आतंकी जम्मू और कठुआ में घुसपैठ करते हैं। पठानकोट एयरबेस पर हुए हमले की साजिश यहीं रची गई थी। यह कैम्प एक स्वास्थ्य केंद्र की आड़ में चल रहा था। जम्मू में आतंकी हमलों को अंजाम देने वाला इरफान टांडा इस कैम्प को चलाता था।

8. मरकज तैयबा कैम्प, मुरीदके, पाकिस्तान
कहांः अंतरराष्ट्रीय सीमा से 18 से 25 किमी दूर।
किसका कैम्पः लश्कर-ए-तैयबा।

पाकिस्तान के अंदर मौजूद सबसे बड़े आतंकी ठिकानों में से एक। 2008 के 26/11 मुंबई हमलों को अंजाम देने आए आतंकियों ने यहीं प्रशिक्षण लिया था। अजमल कसाब और डेविड हेडली को भी यहीं पर ट्रेनिंग दी गई थी, जिसे दौरा-ए-रिब्बत कहा जाता है। तहव्वुर राणा भी यहां पर आया था, जिसे अब अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा चुका है। यहां पर चार मिसाइलें दागी गईं। अल कायदा के सरगना आतंकी ओसामा बिन लादेन ने यहां पर एक गेस्ट हाउस बनाने के लिए 10 लाख पाकिस्तानी रुपये दान में दिए थे। लश्कर यहां पर आतंकियों की भर्ती दो हफ्ते का कोर्स पढ़ाता था, जिसमें नए आतंकियों का ब्रेनवॉश किया जाता था।

9. मरकज सुभानअल्लाह, बहावलपुर, पाकिस्तान
कहांः अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किमी दूर।
किसका कैम्पः जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय।

यहां पर लोगों को भड़काकर उन्हें आतंकी बनाया जाता था। भर्ती के बाद उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता था। आतंकी सरगना अक्सर यहां आते थे। फरवरी 2019 के पुलवामा हमले की साजिश यहीं से रची गई थी।

जिन्होंने भारत की बहन-बेटियों का सिंदूर छीना, उन्हें खानदान खोना पड़ाः सीएम योगी

लखनऊ

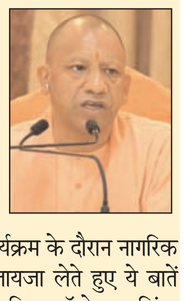

ऑपरेशन सिंदूर आतंकियों को करारा जवाब है। जिन्होंने भारत की बहन बेटियों का सिंदूर छेड़ने की कोशिश की, उन्हें अपना खानदान खोना पड़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में मॉक ड्रिल कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुरक्षा की तैयारियों का जायजा लेते हुए ये बातें कहीं। सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। उन्होंने पहलगाम हमले पर सेना की कार्रवाई को निर्णायक बताया। सीएम बोले, देश की आन-बान और शान के साथ किसी को खिलवाड़ नहीं करने देंगे।

पीएम मोदी ने ही ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम दिया

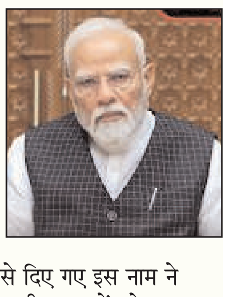

नई दिल्ली। हर सैन्य ऑपरेशन का एक नाम तो होता ही है, लेकिन आपरेशन सिंदूर का संदेश कुछ खास है। एक पखवाड़े पहले पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने जिस वीभत्सता के साथ धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी और उनकी विधवाओं का सिंदूर उजाड़ा था, उसी सिंदूर ने आतंकियों के आकाओं को लाल कर दिया। वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दिए गए इस नाम ने शुरूआत में ही ऑपरेशन से जुड़े तीनों सेना के वीर जवानों को यह स्पष्ट संदेश दे दिया था कि आक्रमण इतना सटीक और भीषण होना चाहिए कि फिर भारत में किसी के सिंदूर पर हमला करने से पहले सौ बार सोचें। भारत मे तो ऐतिहासिक रूप से भी सदियों तक धर्म के नाम पर सिंदूर पर हमला होता रहा था। वैसे बुधवार की सुबह कार्रवाई की ब्रीफिंग में भी दो महिला अफसरों को उतारकर यह संदेश भी दे दिया कि यहां की बहनें खुद भी सक्षम हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में जैश सरगना मसूद अजहर की मां और कई रिश्तेदारों की मौत

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की संघीय सरकार ने माना है कि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' में उनके यहां के 26 लोग मारे गए हैं। दावा किया जा रहा है कि इनमें आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर की मां के अलावा परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हैं। मसूद का नाम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वैश्विक आतंकवादी सूची में शामिल है। पाकिस्तान सरकार ने फिलहाल बहावलपुर में आतंकी ठिकाने पर हुए भारत के हमले में मसूद अजहर के परिवार के सदस्यों के मारे जाने की पुष्टि नहीं की है। रिपोट्र्स के अनुसार मसूद अजहर ने एक बयान में कहा है कि हमले में उसके परिजनों के अलावा चार करीबी सहयोगी भी मारे गए हैं। बहावलुपर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हुए हमले में जैश ए मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर की बड़ी बहन, उसके पति, भांजे और उसकी पत्नी व अन्य भतीजों और परिवार के पांच बच्चों की मौत हुई है। हमले में मसूद अजहर के करीबी सहयोगी और उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगियों की भी मौत हुई है। रिपोट्र्स में कहा गया कि हमले में अपनों के मारे जाने पर मसूद अजहर फूट-फूटकर रोया। इस हमले में आतंकी कारी मोहम्मद इकबाल की भी मौत हुई है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान को करारा जवाबः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने कल रात ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करके आतंकियों को प्रशिक्षण देने वाले शिविरों को तबाह कर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। भारत ने अपनी सरजमीं पर हुए हमले का जवाब देने के लिए अपने अधिकारों का इस्तेमाल किया है। हमारी यह कार्रवाई बेहद सोच-समझकर सधे हुए तरीके से की गई है। आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई महज उनके शिविरों और अन्य ढांचों तक ही सीमित रखी गई है। पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को नष्ट किये जाने के बाद रक्षा मंत्री शाम को नई दिल्ली में 66वें बीआरओ दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से 50 प्रमुख बीआरओ परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें 6 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों में 17 सड़कें, 30 पुल और 3 अन्य कार्य शामिल हैं, जिनका निर्माण 1879 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। आज जम्मू कश्मीर, लद्दाख, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में कई परियोजनाओं का उद्घाटन हुआ है। हमें जो सड़कें दिखती हैं, जो पुल दिखते हैं, वह सिर्फ दो स्थानों को जोड़ने वाले नहीं होते हैं, बल्कि वह लोगों के दिलों को जोड़ने वाले होते हैं। उन्होंने समारोह में कहा कि सेना ने अपने शौर्य एवं पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास लिख दिया है। भारत की सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करवाई की है। हमने जो लक्ष्य तय किये थे, उन्हें ठीक तय योजना के अनुसार सटीकता से ध्वस्त किया है। सेना ने किसी भी नागरिक ठिकाने को जरा भी प्रभावित न होने देने की संवेदनशीलता दिखाई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च करके पहले की तरह ही इस बार भी आतंकियों को प्रशिक्षण देने वाले शिविरों को तबाह करके करारा जवाब दिया है।

केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को माराः सिंह

हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारेअर्थात केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में ही बीआरओ का बजट लगभग दोगुना हो गया है, जिससे सीमा पर बुनियादी ढांचों के विकास में रिकॉर्ड तोड़ प्रगति हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में बीआरओ ने 16,600 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय व्यय किया है, जो अपने आप में ऐतिहासिक है।

कश्मीर के 10 जिलों में नियंत्रण कक्ष स्थापित, सीमावर्ती इलाके खाली

जम्मू/श्रीनगर

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों से बुधवार को जम्मू और कश्मीर संभाग के कई जिलों में शिक्षण संस्थान बंद रहे। परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। खासकर बार्डर से सटे जिलों में। वहीं श्रीनगर में अधिकारियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारत द्वारा किए गए मिसाइल हमलों के मद्देनजर घटनाक्रम पर नजर रखने के लिए पूरे कश्मीर में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। स्थानीय जिला

मजिस्ट्रेट ने आदेश में कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), श्रीनगर की समग्र निगरानी में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी), श्रीनगर के उपायुक्त कार्यालय में एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। कश्मीर के 10 जिलों में इसी तरह के नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

जम्मू-श्रीनगर के कई जिलों में स्कूल-कालेज बंद, परीक्षाएं स्थगित

जम्मू संभाग में बार्डर से स्टे पांच जिलों जम्मू, सांबा, कठुआ, पुंछ, राजोरी जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद रहे। इनमें निजी स्कूल भी शामिल रहे। जम्मू विश्वविद्यालय ने प्रस्तावित सभी परीक्षाएं स्थगित दी हैं। अब नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। जम्मू विश्वविद्यालय के अलावा क्लस्टर विश्वविद्यालय, आईआईएम, आईआईटी जम्मू में भी शैक्षणिक गतिविधियां नहीं हुईं। उधर, कश्मीर संभाग में श्रीनगर हवाई अड्डे के आसपास और बारामुला, कुपवाड़ा, गुरेज सहित कई जिलों में शैक्षणिक संस्थान बंद रहे। इन जिलों में भी परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। कश्मीर विश्वविद्यालय ने की ओर से जारी अधिसूचना में 10 मई तक सभी परीक्षाओं को स्थगित करने की घोषणा की गई है।

पाकिस्तान की गोलीबारी पर कड़ी नजर

नई दिल्ली

भारतीय सेना पाकिस्तान की ओर से हो रहे युद्धविराम उल्लंघनों पर कड़ी नजर रख रही है। सेना प्रमुख लगातार स्थानीय सैन्य इकाइयों के संपर्क में हैं और पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की ओर से भारतीय नागरिकों को निशाना बनाकर की जा रही गोलीबारी का जवाब देने के लिए भारतीय सैन्य

इकाइयों को कार्रवाई की छूट दी गई है। पाकिस्तान की ओर से यह गोलीबारी तब शुरू हुई, जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादी शिविरों पर मिसाइल हमला किया। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, तीनों सेना के संयुक्त ऑपरेशन में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पहलगाम आतंकी हमले पर भारतीय सेनाओं के करारे जवाब से बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने पुंछ, बारामुला, राजोरी जिले की नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम गांवों पर तोपों से मंगलवार पूरी रात भारी गोलाबारी की। पाकिस्तानी गोलाबारी में चार बच्चों समेत 15 नागरिकों की मौत हो चुकी है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, जाति जनगणना पर दिए कुछ सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को जाति जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र के जरिए पीएम मोदी को कुछ सुझाव भी दिए हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स अकाउंट पर पत्र शेयर करते हुए लिखा, जाति जनगणना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मेरा पत्र। मैंने 16 अप्रैल, 2023 को आपको पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जाति जनगणना की मांग को आगे बढ़ाया था। अफसोस की बात है कि मुझे इस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से, आपकी पार्टी के नेताओं और आपने इस वैध मांग को उठाने के लिए कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर हमला किया, जिसे आप आज स्वीकार करते हैं कि यह गहरे सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के हित में है। आपने अब घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो 2021 में होनी थी) में जाति को एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा, लेकिन इसके विवरण नहीं दिए। मेरे पास आपके विचार के लिए तीन सुझाव हैं। उन्होंने आगे बताया, ÷जनगणना प्रश्नावली का डिजाइन महत्वपूर्ण है। गृह मंत्रालय को तेलंगाना मॉडल से प्रेरणा लेनी चाहिए, प्रश्नावली को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया और पूछे गए सवालों के सेट दोनों के लिए। जाति

जनगणना के परिणाम जो भी हों, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण की मनमानी सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाया जाना चाहिए। संविधान में अनुच्छेद 15(5) को 20 जनवरी, 2006 से लागू किया गया था। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी और 29 जनवरी, 2014 को लंबी सुनवाई के बाद इसे बरकरार रखा गया। यह निजी शैक्षणिक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। इसे लागू करना चाहिए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने पत्र में यह भी कहा कि जाति जनगणना जैसी कोई भी प्रक्रिया जो हमारे समाज के पिछड़े, उत्पीड़ित और हाशिए पर पड़े वर्गों को उनके अधिकार प्रदान करती है, उसे किसी भी तरह से विभाजनकारी नहीं माना जा सकता और न ही माना जाना चाहिए। हमारा महान राष्ट्र और हमारे बड़े दिल वाले लोग हमेशा जरूरत पड़ने पर एकजुट हुए हैं, जैसा कि हमने हाल ही में पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमलों के बाद किया है। उन्होंने आगे कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मानना है कि हमारे संविधान की प्रस्तावना में दिए गए सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्थिति और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए ऊपर बताए गए व्यापक तरीके से जाति जनगणना कराना अत्यंत आवश्यक है। मुझे विश्वास है कि मेरे सुझावों पर आप गंभीरता से विचार करेंगे। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि जल्द ही सभी राजनीतिक दलों के साथ जाति जनगणना के मुद्दे पर चर्चा करें।

सुप्रीम कोर्ट ने 1984 सिख विरोधी दंगों के छह आरोपियों को बरी करने पर जारी किया नोटिस, 21 जुलाई को सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने 1984 सिख विरोधी दंगों के छह आरोपियों को बरी करने के निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया है। इस मामले में 21 जुलाई को अगली सुनवाई होगी। जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने नोटिस जारी कर बरी किए गए लोगों से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के रिकॉर्ड को भी तलब किया है। एडवोकेट एचएस फुल्का ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने छह मामलों में बरी किए गए लोगों को नोटिस जारी किया है। हमने कोर्ट को यह बताया कि कत्ल के कई मुकदमों में मुलज़िमों को पेश नहीं किया गया और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। इस पर भी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सिख विरोधी दंगों में 56 हत्या मामलों में से केवल 5 मामलों में चार्जशीट दायर की गई और बाकी 51 मामलों में चार्जशीट दाखिल नहीं की गई, जिस पर भी सरकार से जवाब मांगा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों की सुनवाई जुलाई में होगी। एचएस फुल्का ने बताया कि अब दिल्ली हाईकोर्ट में भी इन मामलों को लेकर सुनवाई शुरू हो गई है और सुप्रीम कोर्ट भी इसे गंभीरता से ले रहा है। मुझे उम्मीद है कि इन मामलों में अब कुछ केसों को फिर से खोला जाएगा, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद का समाधान मिलजुलकर निकालें पंजाब-हरियाणा सरकार : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से कहा कि दोनों राज्य सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए केंद्र का सहयोग करें।

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को हरियाणा और पंजाब के बीच एसवाईएल (सतलुज-यमुना लिंक कैनाल) नहर विवाद को लेकर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों से कहा कि दोनों राज्य सौहार्दपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए केंद्र का सहयोग करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर समाधान नहीं निकला तो पीठ इस मामले पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से एएसजी ने कहा कि जल शक्ति मंत्री ने बैठक की और जल बंटवारे पर विचार

करने के लिए समिति गठित की गई है। दोनों राज्यों के मुख्य सचिव समिति के अध्यक्ष हैं और 1 अप्रैल 2025 को इस मामले में एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल किया गया है। इस पर हरियाणा सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि बातचीत से कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। जहां तक नहर के निर्माण की बात है, तो हरियाणा ने अपने इलाके का काम पूरा कर लिया है। एक अहम मुद्दा है कि पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

पंजाब सरकार के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा कि डिक्री अतिरिक्त पानी के लिए थी, लेकिन नहर का निर्माण अभी होना बाकी है। हरियाणा को अतिरिक्त पानी मिलना चाहिए या नहीं, यह मुद्दा ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित है। इसके अलावा, केंद्र सरकार की तरफ से एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि हमने मध्यस्थता के लिए प्रयास किए थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हलफनामे में कहा गया है कि दोनों मध्यस्थता के लिए सहमत हो गए हैं। वहीं, हरियाणा के वकील ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि हम सहयोग नहीं करने जा रहे हैं, इसलिए वार्ता विफल हो गई है। साल 2016 से हम प्रयास कर रहे हैं, लेकिन आगे कुछ नहीं हुआ। दरअसल, हरियाणा और पंजाब के बीच पानी का विवाद बहुत पुराना है। एसवाईएल विवाद 1966 में हरियाणा के पंजाब से अलग होने के बाद 1981 के जल-बंटवारे समझौते से जुड़ा है। हरियाणा में खेतों की सिंचाई के लिए पानी की बेहद कमी थी। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर पंजाब और हरियाणा के बीच जल संधि हुई थी।

शाहजहांपुर गाड़ियों की आमने-सामने की टक्कर में छह की मौत, सीएम योगी ने जताया दुख

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में मदनापुर थाना क्षेत्र में एक बाइक और ईको वाहन की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक में आग लग गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं बाइक पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताते हुए घायलों के समुचित इलाज का निर्देश दिया है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना मदनापुर में एक बाइक और ईको वाहन की टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इनमें चार शाहजहांपुर के रहने वाले हैं, जबकि दो लोग बरेली के हैं। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं घटना की जानकारी देते हुए एक पुलिसकर्मी ने बताया कि शाहजहांपुर के ग्राम काबिलपुर पेट्रोल पंप से 100 मीटर पहले मदनापुर की तरफ एक ईको गाड़ी और डिस्कवर मोटरसाइकिल में आमने-सामने से टक्कर हो गई। जिसमें ईको गाड़ी में सवार दो व्यक्ति सुधीर और सोनू, थाना फरीदपुर जनपद बरेली के, की मौके पर ही मृत्यु हो गई है।

योगी सरकार का 'संभव' अभियान, बच्चों के पोषण स्तर में हुआ प्रभावी सुधार

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार राज्य से भुखमरी, बाल कुपोषण को दूर करने और सतत खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने की दिशा में पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सतत विकास के इन्हीं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीएम योगी के मार्गदर्शन में वर्ष 2021 में 'संभव' अभियान की शुरुआत की गई थी। इसके चार चरण पूरे हो चुके हैं, यूपी ने वर्ष 2024 में मातृ-शिशु पोषण के स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के गंभीर तीव्र कुपोषित (सैम) बच्चों में से 65 प्रतिशत सामान्य स्थिति में आ चुके हैं। जबकि, 16 प्रतिशत बच्चे सैम स्थिति से मध्यम तीव्र कुपोषित (मैम) बच्चों की स्थिति में आ चुके हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के अनुसार संभव अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आकांक्षात्मक जिलों में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का पायलट प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है, जिसे आने वाले समय में पूरे प्रदेश में चलाने की तैयारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ की सरकार ने प्रदेश से कुपोषण और भुखमरी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ वर्ष 2021 में 'संभव' अभियान की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य-2 को प्राप्त करना और प्रदेश में सतत खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करना था। प्रदेश के बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने 'संभव' अभियान के चार चरणों की सफलता की रिपोर्ट मुख्यमंत्री के सामने पेश की। विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश ने 'संभव' अभियान के तहत अपेक्षित सफलता प्राप्त की है।

पानी पर पंजाब ओछी राजनीति न करे : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानी के मुददे पर पंजाब ओछी राजनीति कर रहा है। इससे पहले भी एसवाईएल मुद्दे पर पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को दर किनार किया। पानी प्राकृतिक स्त्रोत है और यह देश की धरोहर है। आज भी हरियाणा के हिस्से का पीने का पानी न देने पर मान सरकार ने पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया, जो अनैतिक है और भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। मुख्यमंत्री हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक के उपरांत पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव सिख समाज के दसो गुरूओं द्वारा दिखाए मार्ग के खिलाफ है। मान सरकार को गुरूओं के वचन को निभाना चाहिए और बिना शर्त पानी छोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेंस व आप पार्टी इंडी गठबंधन का हिस्सा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बाबा साहिब के पवित्र सविधान का सम्मान करें। सविधान की पुस्तक गांव गांव लेकर घूमते है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव की हरियाणा मंत्रिमंडल ने घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि 1966 से पहले पंजाब व हरियाणा एक ही था। मान साहब इस प्रकार की छोटी राजनीति छोडकर विकास की राजनीति को अपनाए और पंजाब के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं पर ध्यान दे। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो भी राजनीतिक दल रहे है पंजाब के लोगों ने एक -एक को जवाब दिया है।

मुख्यमंत्री ने मान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि जिस प्रकार पंजाब के लोगों ने कांग्रेस को लाइन में खडा कर दिया उसी प्रकार आप को भी खडा कर देंगे। आज पंजाब विधानसभा में बीबीएमबी को भंग करने के सम्बंध में पारित किए गए प्रस्ताव पर पुछे गए एक प्रश्न के उतर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीबीएमबी लोकसभा से पारित एक स्वायत निकाय है और केंद्र सरकार के अधीन है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार न तो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को मानता, न सविधान को मानता और भारतीर संघीय ढांचे की अवेहलना करता है। एक सिस्टम है उस पर देश चलता है। उन्होंने पंजाब के नेताओ से आग्रह किया है कि गुरूओं ने जो रास्ता दिखाया उस पर मान सरकार को चलना चाहिए।

पहलगाम हमला बड़ी त्रासदी, हर कश्मीरी का दिल टूटा हुआ है: इल्तिजा मुफ्ती

नई दिल्ली । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले को भीषण त्रासदी करार देते हुए मंगलवार को कहा कि इस समय हर कश्मीरी का दिल टूटा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से विशेष बातचीत में इस घटना पर दोषारोपण से बचने की सलाह दी। उन्होंने साल 2016 में हुई सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर भी निशाना साधा। सर्जिकल स्ट्राइक पर चन्नी के बयानों को 'निराधार' और 'भड़काऊ' करार देते हुए इल्तिजा ने कहा, 'ऐसे समय में नेताओं को संयम बरतना चाहिए। जब हमने इतने लोगों को खोया है, तो ऐसी बयानबाजी क्यों?' उन्होंने कहा कि इस दुखद समय में राजनीतिक बयानबाजी की बजाय एकजुटता दिखाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि चन्नी ने पहलगाम हमले के बाद मीडिया से बात करते हुए 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था, ÷कोई नहीं जानता कि सर्जिकल स्ट्राइक कहां हुई, कितने मारे गए? कुछ हुआ ही नहीं। मैं हमेशा सबूत मांगता हूं। उनके इस बयान की भाजपा तथा एनडीए में उसके सहयोगी दलों ने तीखी आलोचना की है। उन्होंने चन्नी और कांग्रेस पर सेना का अपमान करने और देश का मनोबल तोड़ने का आरोप लगाया। इल्तिजा ने कहा कि आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा केंद्र सरकार के अधीन है। लेकिन अभी चूक का दोषारोपण करने का समय नहीं है। सरकार को पहलगाम हमले की गहन जांच के लिए समय देना चाहिए। पहलगाम की बैसरन घाटी जैसे पर्यटक स्थल पर हुए हमले की जांच की जरूरत पर जोर देते हुए पीडीपी नेता ने कहा कि हजारों सैलानी जहां जाते हैं, वहां आतंकवादियों का पहुंचना गंभीर सुरक्षा चूक को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ÷यह एक बड़ी त्रासदी है। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए कि आतंकवादी वहां तक कैसे पहुंचे। इस हमले के बाद भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई की चर्चा के बीच इल्तिजा का यह बयान जांच और संयम पर केंद्रित है। उन्होंने सरकार से इस हमले के कारणों की गहराई से पड़ताल करने की अपील की ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत देश के कई राज्यों मॉक ड्रिल की व्यापक तैयारी

सुरक्षा को लेकर केंद्र और राज्य सरकार अलर्ट

एजेंसी

मुंबई । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी राज्यों को सिविल डिफेंस के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के तहत महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। विशेष रूप से महाराष्ट्र में 16 स्थानों पर मॉक ड्रिल की योजना बनाई गई है, जिसमें मुंबई, ठाणे, पुणे, नासिक, रायगढ़, उरण, तारापुर और कोंकण तट शामिल हैं। वहीं, नागपुर, जोधपुर और अन्य शहरों में भी आपदा प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने पहलगाम घटना के बाद उत्पन्न संभावित खतरों को देखते हुए पूरे राज्य में हाई अलर्ट घोषित किया है। प्रशासन ने सभी संबंधित एजेंसियों को चौकस रहने के सख्त निर्देश दिए हैं। राज्य के पालक मंत्रियों और अन्य मंत्रियों को प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में रहने को कहा गया है। मॉक ड्रिल के लिए 16 प्रमुख स्थानों का चयन किया गया है। खासकर कोंकण तट पर मॉक ड्रिल को विशेष रूप से आयोजित करने के आदेश दिए गए हैं, क्योंकि यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से संवेदनशील है। महाराष्ट्र सरकार ने आंतरिक गतिविधियों में तेजी लाते हुए सभी संसाधनों को सक्रिय कर दिया है। मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में प्रशासन की तत्परता, समन्वय और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए पुलिस, फायर ब्रिगेड, आपदा प्रबंधन टीमें और अन्य एजेंसियां पूरी तरह से तैयार हैं। यह ड्रिल युद्ध, आतंकी हमले या प्राकृतिक आपदा जैसी किसी भी आपात स्थिति से निपटने की क्षमता को परखने का अवसर प्रदान करेगी।

सीएम नीतीश कुमार अब 'टायर्ड' हो चुके हैं- तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सार्वजनिक तौर पर एनडीए छोड़कर इधर-उधर नहीं जाने के बयान को लेकर राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बार फिर कहा कि नीतीश कुमार टायर्ड हो चुके हैं, जिनको वह प्रमाणित कर रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि मुख्यमंत्री हाईजैक हो गए हैं। पटना में पत्रकारों से बातचीत में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि अब यह आम धारणा हो गई है। मुख्यमंत्री जिस स्थिति से गुजर रहे हैं, उसे लेकर हम लोगों को पीड़ा है, लेकिन बार-बार मुख्यमंत्री को यह बोलना पड़ रहा है कि वह टायर्ड हो चुके हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, मुख्यमंत्री को बार-बार यह बताना पड़ रहा है कि कोई हम लोगों को लेकर उधर चले गए, फलां लेकर चले गए। जब मुख्यमंत्री खुद ही प्रमाणित कर रहे हैं कि उनकी नहीं चलती है। कोई उन्हें इधर लेकर चला जाता है, कोई उन्हें उधर लेकर

चला जाता है। खुद को, अपने-आप को प्रमाणित कर रहे हैं।उन्होंने कहा, बिहार अब वह खुद नहीं चला पा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि बिहार कौन चला रहा है? सवाल तो मुख्यमंत्री ने खुद के ही वक्तव्य में खड़ा किया है। खुद पर जिसका कंट्रोल न हो, इतना बड़ा गठबंधन बदलने का निर्णय वह नहीं ले रहे हैं, कोई और ले रहा है।

राफेल को खिलौना बताकर कांग्रेस ने वायु सेना का किया अपमान : तुहिन सिन्हा

एजेंसी

मुंबई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के राफेल पर नींबू-मिर्च बांधने वाले बयान पर भाजपा हमलावर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने इसे वायु सेना का अपमान बताया है।अजय राय ने राफेल लिखे हुए विमान के खिलौनानुमा मॉडल को मीडिया के सामने पेश किया था, जिसमें नींबू-मिर्च बंधी हुई थी। उन्होंने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा, जब राफेल भारत आया था, उस समय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उस पर नींबू-मिर्च बांधी थी। देश की जनता जानना चाहती है कि राफेल से नींबू-मिर्च कब हटेंगी और राफेल अपना काम कब करेगा?तुहिन सिन्हा ने कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, ÷कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को मजाक बना

रही है। अजय राय द्वारा राफेल को खिलौना बता कर नींबू-मिर्च लगाने की हरकत सेना और वायु सेना का अपमान है। केवल पाकिस्तान समर्थक ही ऐसी हरकत कर सकते हैं। कांग्रेस हमेशा से राफेल डील के खिलाफ रही है और राहुल गांधी ने इसे रद्द कराने के लिए झूठ फैलाया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज किया था। कांग्रेस को दुख है कि भारत के पास आज 62 राफेल होंगे, जो पाकिस्तान को करारा जवाब देने में सक्षम हैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सरकार की तरफ से उठाए गए सख्त कदम की तारीफ करते हुए तुहिन सिन्हा ने कहा, ÷देश के लोगों को भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान को सबक सिखाने वाले हैं, जिसकी कल्पना उन्होंने नहीं की होगी। पाकिस्तान को लेकर अब तक जो बड़े कदम उठाए गए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। सिंधु जल संधि, 1960 रद्द करने, पाक नागरिकों की वीजा अवधि खत्म होने पर उन्हें बाहर निकालने, एयरस्पेस और समुद्री मार्ग को बंद करने जैसे फैसलों से पाकिस्तान की आर्थिक रीढ़ टूटने वाली है। उन्होंने कहा, युद्ध केवल सैन्य नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सूचना स्तर पर भी होता है। बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदम भारत पहले ही उठा चुका है। अब पाकिस्तान को हर मोर्चे पर जवाब मिलेगा और उसकी हालत बदतर होती जाएगी।

आतंकवाद का खात्मा मानवता का पहला कर्तव्यः नकवी

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चुनौती है। अगर कोई देश आतंकवाद का सुरक्षित ठिकाना बन गया हो, आतंकवादियों का शरणगाह बन गया हो, तो निश्चिततौर पर ऐसे ठिकानों को नष्ट करना मानवता का पहला कर्तव्य है। पूरी दुनिया एक स्वर में आतंकवाद के चारागाहों, शरणगाहों को खत्म करने की आवाज उठ रही है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को जनगणना में जातिगत गणना को लेकर तीन सुझाव देने से जुड़े सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया में नकवी ने कहा कि जातिगत गणना के मामले में राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ लगी हुई है। इससे कोई आपत्ति भी नहीं है, लेकिन आज पुरानी पार्टी के कुछ कुंठित चरित्र की कलाबाजी दिखाई दे रही है, वो ठीक नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल पर इस पार्टी के कुनबे के कुंठित नेताओं की कलाबाजी दिखाई दे रही है। उस पर पुरानी पार्टी के अध्यक्ष को नियंत्रित करना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं'

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद यह भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। सेना की इस कार्रवाई के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि यह उन लोगों के मुंह पर जोरदार तमाचा साबित हुआ है जो कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ बातें करते हैं, वह सिर्फ खोखले वादे करते हैं। इस कार्रवाई से सिद्ध हो गया कि पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं। बुधवार को केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम ऐसी कार्रवाई करेंगे कि दुश्मन को समझ में आ जाएगा कि हमें उकसाने का क्या मतलब होता है। इस कार्रवाई के लिए हम भारतीय सेना और पीएम नरेंद्र मोदी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं। कांग्रेस नेताओं के बयानों पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को यह समझ नहीं है कि कब क्या बयान देना है। अनुभवहीनता के कारण वह पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। पीएम मोदी और हम लोग कांग्रेस के बयान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। हम भारत की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। आतंक पर भारत की कार्रवाई पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय जनता संतुष्ट है। लेकिन, अभी पाकिस्तान को पूरा जवाब नहीं दिया है। अभी तो हमारी सेना ने आतंकवादियों के गढ़ को ध्वस्त किया है। अगर पाकिस्तान किसी बहकावे में आता है तो जवाब में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः सुनाई देगा हर-हर महादेव का जयघोषः कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले को लेकर बीजेपी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम बताते हुए कहा, 1400 साल से आतंक का सर्वनाश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा।कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः हर हर महादेव का जयघोष सुनाई देगा। युद्ध काल में सबको सैनिक बनना होगा। डॉक्टर, नर्स, पुलिस, निगम कर्मचारी और सामान्य नागरिक, सभी को योद्धा की तरह कर्तव्यों का पालन करना होगा। भव्य विजय की तैयारी करें। कपिल मिश्रा ने एक अन्य पोस्ट में पाकिस्तान के मदरसों में रात को हुए ऐलान का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने लिखा, “पाकिस्तान के मदरसे में ऐलान हुआ- घर छोड़कर भागो, कलमा पढ़ते रहो। जिहादियों को बेगुनाहों को कलमा पढ़ने को कहा था, जो नहीं पढ़ पाया, उसे मार दिया गया। अब वे भागते-भागते कलमा पढ़ रहे हैं। जिहादियों ने कहा था, मोदी को बता देना। जाओ, बता दिया। भारत माता की जय।

भारत में स्लीपर सेल से जानकारी लेते हैं आतंकीः कर्नल सोही

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है। इस हमले के पीछे आतंकियों की रणनीति और स्लीपर सेल की भूमिका पर कर्नल एसएस सोही (रि.) ने से विस्तृत बातचीत की। कर्नल सोही ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन स्लीपर सेल के जरिए भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। ये स्लीपर सेल सामान्य नागरिकों की तरह रहते हैं और जरूरत पड़ने पर सक्रिय होकर जासूसी, रेकी और हमले को अंजाम देते हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर सेल के सदस्य बिना किसी संचार या गतिविधि के चुपचाप रहते हैं। जब पाकिस्तान से निर्देश मिलते हैं, तब ये भारतीय सेना की गतिविधियों, सैन्य टुकड़ियों के मूवमेंट और संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाते हैं। ये लोग मोबाइल फोन से फोटो, वीडियो बनाकर भेजते हैं। कई बार भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता के कारण इन्हें पकड़ लिया जाता है।

भारत का पानी अब भारत के काम आएगाः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले पर दो टूक कहा कि 'भारत का पानी अब भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।' पानी के मुद्दे पर पिछली सरकारों पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यों के बीच नदियों के जल को दशकों तक विवाद का मुद्दा बनाये रखा गया। वर्तमान सरकार नदियों को जोड़ने की महत्वकांक्षी योजनाओं से इसका समाधान तलाश रही है। इस संदर्भ में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे लाखों किसानों को लाभ पहुंचेगा और सिंचाई की दिक्कत दूर होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एबीपी नेटवर्क के इंडिया2047 समिट में भाग लिया। इस दौरान अपने संबोधन को उन्होंने उनके नेतृत्व में चल रही सरकार के कठोर

निर्णयों और उनके प्रभावों पर केन्द्रित किया। राष्ट्र हित सर्वोपरि को अपनी सरकार की नीति बताते हुए उन्होंने पिछली सरकारों पर कटाक्ष किया, “पहले कोई भी फैसला लेने से पहले सोचा जाता था कि दुनिया क्या कहेगी या वोटबैंक पर असर पड़ेगा। लेकिन आज भारत नीतियों को राष्ट्रहित में तय कर रहा है और उसका लाभ देश को मिल रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते पर भी बात रखी। उन्होंने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए एक नया आर्थिक अध्याय जोड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने मानव-केंद्रित वैश्वीकरण का मार्ग चुना है। सच्चा विकास बाजारों की मजबूती से नहीं बल्कि व्यक्ति के स्वाभिमान और सपनों की पूर्ति से आंका जाता है। इसी कारण भारत का ध्यान केवल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर नहीं है, बल्कि जीईपी यानी 'ग्रॉस एंपावरमेंट ऑफ पीपल' पर है। अब देश की प्रगति का मापदंड हर व्यक्ति की गरिमा, आत्मनिर्भरता और उसकी आकांक्षाओं की पूर्ति होगा। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता को भारत की आर्थिक पहचान का हिस्सा बताया और आश्चर्य जताया कि दशकों तक भारत को केवल एक 'बाजार' समझा गया। उन्होंने कहा कि अब वह सोच बदल चुकी है। भारत आज अनेक क्षेत्रों में निर्माता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने परंपरा और तकनीक के तालमेल पर भी बल दिया। मोदी ने कहा कि भारत अब डिजिटल लेन-देन के मामले में विश्व के शीर्ष देशों में शामिल है। साथ ही योग और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक विधाओं को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। प्रधानमंत्री ने इस दृष्टिकोण ने यह स्पष्ट किया कि भारत अब सिर्फ आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।

कतर के अमीर ने प्रधानमंत्री को फोन कर आतंक के खिलाफ लड़ाई में दिया समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात कर पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने की हर कार्रवाई को पूर्ण समर्थन दिया। वहीं प्रधानमंत्री ने एकजुटता और सहयोग के स्पष्ट संदेश के लिए उनका धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने तथा इस वर्ष के प्रारंभ में अमीर की राजकीय यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लगातार विश्व के नेताओं

का भारत को समर्थन मिल रहा है। अब तक विश्व के 16 नेता इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत कर चुके हैं और भारत के साथ एकजुटता दिखा चुके हैं।

पाकिस्तान आतंकवादियों के शरण स्थल के रूप में पहचान बना चुका है : विदेश सचिव

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे भारत सरकार की मंशा स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि भारत के पास पुख्ता सबूत हैं कि पाकिस्तान आतंकियों की शरणस्थली है। भारत ने नपे-तुले अंदाज में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। मिस्री ने कहा, 26 नवंबर 2008 को हुए हमले के बाद भारत में हुई किसी आतंकवादी हमले में मारे गए आम नागरिकों की संख्या की दृष्टि से सबसे गंभीर घटना पहलगाम का हमला अत्यधिक बर्बरता पूर्ण था, जहां मौजूद लोगों को करीब से उनके परिवारों के सामने सिर पर गोली मारी गई। हत्या के इस तरीके से परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया, साथ ही उन्हें यह नसीहत दी गई कि वे वापस जाकर इस संदेश को पहुंचा दें। उन्होंने आगे कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से जम्मू और कश्मीर में बहस हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। पैटर्न फिर से अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बन रहा था। इस हमले का मुख्य उद्देश्य देश के प्रतीक को प्रभावित करना था। पिछले वर्ष लगभग 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर आए थे। इस समय का मुख्य उद्देश्य इसलिए संभवतः एक संघ राज्य क्षेत्र में विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर इसे पिछड़ा बनाए रखना था। पाकिस्तान से लगातार होने वाली सीमा पार आतंकवाद से उपजाऊ जमीन बनाने में सहायता की जाए। हमले में जम्मू और कश्मीर और शेष राष्ट्र दोनों में सांप्रदायिक दंगे बढ़कर इसका श्री भारत और सभी नागरिकों को दिया जाना चाहिए, उनके प्रयासों को सफल कर दिया। उन्होंने बर्बर कार्रवाई को लेकर कहा- पहलगाम का हमला बहुत बर्बरतापूर्ण था। पाकिस्तान के आतंकियों से संबंध उजागर हुए हैं, हमलावरों की पहचान भी हुई है। परिवारों के सामने गोली मारी गई, पर्यटकों पर गोली बरसाई गई। आतंक के संबंध का पाकिस्तान से लंबा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आतंकी हमले में टीआरएफ की भूमिका आई। प्रत्यक्षदर्शियों के इनपुट के आधार पर उन्हें चिन्हित किया गया। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था। एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर : प्रियंका गांधी, मायावती और अखिलेश यादव ने सेना के शौर्य की तारीफ की

एजेंसी
नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर'पर भारत में हर तरफ खुशी की लहर है। हर कोई पाकिस्तान में आतंकियों पर की गई कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इस कड़ी में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमें अपनी सेना पर अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %%हमारी सेना पर हमें अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें और उन्हें धैर्य और वीरता से चुनौतियों का सामना करने की अपार हिम्मत दें। जय हिंद।' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय।' समाजवादी

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पराक्रमो विजयते!' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। ये ऐसे चिन्हित स्थान हैं, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें निर्देशित किया गया। कुल मिलाकर, नौ (9) ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें आतंकवादी स्थल मरकज सुभान अल्लाह बहावलपुर, मरकज तैयबा, मुरीदके, सरजाल/तेहरा कलां, महमूना जोया सुविधा, सियालकोट, मरकज अहले हदीस बरनाला, भिम्बर, मरकज अब्बास, कोटली, मस्कर राहील शाहिद, कोटली जिले में स्थित हैं। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैम, मरकज सैयदना बिलाल शामिल हैं।इस पूरे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।

स्वास्थ्य केन्द्रों में अग्नि सुरक्षा पर द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बोले जेपी नड्डा, केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 'स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया' तथा 'स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा' पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा नोडल अधिकारियों के समन्वय से 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए। ताकि लापरवाही के लिए कोई स्थान ही न बचें। उन्होंने कहा कि यह दूसरी कार्यशाला स्वास्थ्य मंत्रालय की स्वास्थ्य सुविधाओं में आपदा और अग्नि तैयारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को आपदा और

अग्नि घटनाओं के प्रति अधिक लचीला और प्रतिरोधी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नड्डा ने कहा कि हमें आपदाओं को घटित न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि निर्बाध, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर उच्च-भार वाले उपकरणों, ऑक्सीजन और रसायनों जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ काम करते हैं जो न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि ज्वलनशील भी होते हैं और खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए, उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता है। सभी हितधारकों से इस कर्तव्य में योगदान देने का आग्रह करते हुए नड्डा ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल शीर्ष स्तर के अधिकारियों की ही नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और पैरामेडिक्स की भी है। आपदा-प्रतिक्रिया के संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस ने दिखाई एकजुटता, कहा- पार्टी आतंकवाद के खिलाफ सरकार और सेना के साथ

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज कहा कि वह पूरी एकजुटता के साथ आतंकवाद के खिलाफ किसी भी निर्णायक कार्रवाई में सरकार और भारतीय सेना के साथ खड़ी है। पार्टी नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की राष्ट्रीय नीति को दोहराते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और एकजुटता इस समय सबसे ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत की पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ एक अडिग राष्ट्रीय नीति है। हम अपने भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व करते हैं जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हम उनके साहस और संकल्प की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के दिन से ही कांग्रेस सशस्त्र बलों और सरकार के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय एकता समय की मांग है और कांग्रेस पूरी तरह देश के सैनिकों के साथ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सशस्त्र बलों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिन्द! कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बयान में कहा कि यह समय एकता का है। 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस यह स्पष्ट कह रही है कि सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा। कांग्रेस सशस्त्र बलों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में इस्तेमाल की गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह करके पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया।इस जवाबी कार्रवाई में फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल से दागी गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल भी फ्रांस में ही बनी हैं। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज (हैमर) हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। हैमर मिसाइल हवा से जमीन पर 60 से 70 किलोमीटर तक दुश्मन को निशाना बना सकती है। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। फ्रांस से 36 राफेल विमानों का सौदा होते समय भारत ने बजट के अभाव में फ्रांस से महंगे हैमर सिस्टम्स लेने के बजाय इजराइली स्पाइस-2000 बम से ही

काम चलाने का निर्णय लिया था, लेकिन पहली खेप में पांच राफेल की आपूर्ति के बाद हैमर सिस्टम्स लेने के लिए फ्रांस को ऑर्डर किया गया था।सितम्बर, 2020 में भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच हैमर कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसकी आपूर्ति आमतौर पर एक साल में होनी थी, लेकिन फ्रांस ने भारत की जरूरत को तत्काल पूरा करने के लिए भारतीय राफेल को ऑल वेदर मिसाइल हैमर से लैस करने पर सहमति व्यक्त की। दूसरी खेप में तीन और राफेल विमानों की आपूर्ति होने के बाद बड़ी संख्या में हैमर सिस्टम्स भारतीय वायुसेना को मिल गई थीं। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। हैमर हवा से जमीन पर मार करने वाली तेज गति से उड़ने वाली मिसाइल है। इसका वजन 340 किलो होता है। यह 10.2 फीट लंबी होती है। इसके अगले हिस्से में नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम लगा होता है।

ओआईसी का बयान बेतुका और पाकिस्तानी एजेंडे का हिस्साः विदेश मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से जारी बयान को बचकाना बताया है। मंत्रालय ने कहा कि यह बयान पाकिस्तान के कहने पर जारी किया गया है और इसमें हमले की सच्चाई और उसकी सीमा पार से जुड़ी कड़ियों को अनदेखा किया गया है। भारत ने आरोप लगाया है कि ओआईसी को पाकिस्तान गुमराह कर रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद में लिप्त है और ओआईसी का बयान उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने वाला है। बयान में कहा गया, 'हम भारत के आंतरिक मामलों में ओआईसी के दखल को पूरी तरह अस्वीकार करते हैं।' उल्लेखनीय है कि ओआईसी ने हाल ही में अपने बयान में दक्षिण एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई और भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता की वकालत की। ओआईसी ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया और इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती बताया। ओआईसी ने अपने वक्तव्य में जम्मू-कश्मीर मुद्दे को दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती बताया। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुरूप इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे के समाधान के लिए अपने प्रयास तेज़ करे ताकि क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की जा सके।

समिट इंडिया का युद्ध की स्थिति में जन जागरण महाभियान शुरू करने का फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली ।स्वैच्छिक संगठन 'समिट इंडिया' ने युद्ध की स्थिति में देशवासियों को आनी वाली दिक्कत के मद्देनजर जन जागरण का महाअभियान शुरू करने का फैसला किया है। इसके तहत लोगों को सरकार के परामर्श, एहतियात और सावधानी से अवगत कराया जाएगा। साथ ही अन्य स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर सहायता और सुविधा केंद्रों का निर्माण किया जाएगा है। इसके लिए देश के हजारों कार्यकर्ताओं के समूह बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह फैसला समिट इंडिया के चेयरमैन एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू की अध्यक्षता में लिया गया। यह जानकारी समिट इंडिया के महासचिव महेश वर्मा ने दी।उन्होंने कहा कि चेयरमैन का संकल्प है कि युद्ध की स्थिति में गरीबों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों को किसी तरह की कठिनाई का सामना नहीं करने दिया जाएगा। उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। संगठन देशभर में एआईसीटीई और कैप्सी जैसे सहयोगी संगठनों के माध्यम से लगभग 10 हजार सहायता शिविर और सुविधा केंद्रों का निर्माण करेगा। एआईसीटीई के

26 हजार शिक्षण संस्थानों की सहायता ली जाएगी। कैप्सी देश में डेढ़ करोड़ से ज़्यादा सुरक्षा गार्ड्स का बड़ा मंच है। इसके लगभग 30 हजार सदस्य हैं। इनकी मदद से रक्त की कमी नहीं होने दी जाएगी। वर्मा ने पूर्व में हुए युद्ध को लेकर देशवासियो के सहयोग को याद दिलाते हुए बताया कि देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर एक वक्त का खाना का त्याग दिया था ताकि खाद्य संकट से निजात मिले। देश की माताओं और बहनों ने अपने आभूषण देने शुरू किए थे। आज देश आर्थिक रूप से संबल है। जापान से आगे निकलकर विश्व की चौथी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 से अधिक स्वैच्छिक संगठनों और एवं कारोबारी प्रतिष्ठान के एसोसिएशन के साथ बातचीत की गई है। सबने आश्वासन दिया है कि ऐसे केंद्रों के निर्माण में सहयोग करेंगे। संगठन प्रमुख श्याम जाजू ने इस बावत खर्च की जाने वाली धनराशि का आवंटन भी किया है। यह धनराशि संस्था को दान स्वरूप प्राप्त होती है। जाजू ने देशवासियो से अपील की है वह दरिंदगी और नफरत को उखाड़ फेकने का संकल्प लेकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का इकबाल बुलंद रखने का प्रण लें।

'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना बधाई की पात्र : संदीप दीक्षित

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक से लिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान संदीप दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इसके लिए मैं सेना को बहुत बधाई देता हूं।इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा, अभी सुबह-सुबह खबर मिली कि हमारी वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया, जहां-जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को ही बर्बाद किया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पाकिस्तान पर हुए एयर स्ट्राइक पर कहा है कि हम भारतीय सेना के साथ हैं और यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसका पूरा समर्थन है। हम सरकार के साथ हैं। देश की इच्छा थी कि पाकिस्तान को एक बार उसकी जगह बताएं। पाकिस्तान बार-बार आंख मिचौली का खेल खेलकर हमारे लोगों को मारता था और अपनी दहशतगर्दी से बाज नहीं आ रहा था। उसको सबक सिखाने की जरूरत थी और वह कदम भारतीय सेना ने उठाया।गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोलीमार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। भारत ने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

संपादक की कलम से

देश में समाप्त होने के कगार पर पहुंचा नक्सलवाद

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी।

खूब बरसेगा मानसून, जल-नियोजन जरूरी !

हाल ही में आईएमडी (भारतीय मौसम विभाग) ने यह जानकारी दी है कि इस बार देश में जमकर बारिश होगी। आईएमडी का अनुमान है कि इस बार मानसून में औसत से 105% अधिक बारिश होगी।मौसम विभाग की ओर से ये भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है जब देश के कई हिस्से भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं।हालांकि,लद्दाख, पूर्वोत्तर और तमिलनाडु में कम बारिश की संभावना बताई गई है। दरअसल, अल-नीनो और इंडियन ओशियन डाइपोल स्थितियां सामान्य रहने की उम्मीद जताई गई है, जिससे अच्छी बारिश होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो मानसून के दौरान अल नीनो की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि जून-सितम्बर के दौरान 105% बरसात हो सकती है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अल नीनो, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र के पानी का गर्म होना है। वास्तव में यह एक प्राकृतिक घटना है, जिससे दुनिया के कई हिस्सों में मौसम का पैटर्न बदल जाता है। यहअल नीनो ही होता है जिसकी वजह से धरती पर गर्म तापमान, सूखा, और तूफान जैसी समस्याएं आती हैं। अल-नीनो के कारण मौसम संबंधी आपदाओं में तीव्रता आ सकती है। वहीं पर यदि हम इंडियन ओशियन डाइपोल स्थितियों यानी कि हिंद महासागर द्विध्रुव(आईओडी) की बात करें तो यह एक जलवायु पैटर्न है, जिसमें हिंद महासागर के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच समुद्र के तापमान में उतार-चढ़ाव होता है। वास्तव में,इस घटना में, हिंद महासागर के पश्चिमी हिस्से में गर्म पानी और पूर्वी हिस्से में ठंडा पानी होता है। पाठकों को बताता चलूं कि इसे इंडियन नीनो भी कहा जाता है। वास्तव में, भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसूनी बारिश से जुड़ी अल-नीनो की स्थितियां इस बार विकसित होने की संभावना नहीं हैं। पाठकों को बताता चलूं कि देश के विभिन्न हिस्से फिलहाल भीषण गरमी से जूझ रहे हैं, और उत्तर भारत में तो तापमान अभी से ही यानी कि अप्रैल माह में ही 42 से 45 तक पहुंच गया है। इसी बीच, अप्रैल अंत से जून-2025 के दौरान भीषण गरमी पड़ने का अनुमान जताया गया है, जिससे बिजली ग्रिडों पर अच्छा-खासा दबाव पड़ सकता है और पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत विश्व का एक बड़ा कृषि प्रधान देश है और यहां की कृषि को मानसून का जुआ कहा जाता है।गौरतलब है कि भारत में मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल के दक्षिणी सिरे पर आता है। यह मध्य सितंबर में वापस चला जाता है। बहरहाल, भारतीय कृषि को मानसून का जुआ इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मानसून की अनिश्चितता के कारण यहां की फसलें खराब हो जाती हैं। इससे उत्पादन कम हो जाता है और हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ता है। मानसून जल निकायों को भी काफी हद तक प्रभावित करता है। मानसून से जुड़े खतरों की यदि हम यहां बात करें तो इससे ओलावृष्टि, चक्रवात, सुखांड, लू, अनावृष्टि, अतिवृष्टि और शीतलहर जैसे प्रचंड मौसम के कारण फसल उत्पादन में हर साल काफी क्षति होती है। वास्तव में, हमारे देश में कृषि क्षेत्र के लिए मानसून बहुत महत्त्वपूर्ण है, जो देश की लगभग 42.3% आबादी की जीविका का आधार है। गौरतलब है कि देश की जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) में कृषि का योगदान 18.2% होता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जीडीपी किसी देश में किसी निश्चित अवधि में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य होता है तथा यह किसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और स्वास्थ्य का एक माप है। बहरहाल, हमारे देश में कुल खेती योग्य क्षेत्र का आधे से ज्यादा यानी कि लगभग 52% हिस्सा वर्षा आधारित प्रणाली पर निर्भर है। यह देशभर में पीने के पानी और बिजली उत्पादन के लिए जलाशयों को भरने के लिए भी महत्वपूर्ण है। बहरहाल, इस बार मानसून किसानों के लिए राहत और उम्मीदें लेकर आ रहा है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस वर्ष जून से सितंबर के बीच देश में औसत से तीन फीसदी ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। गौरतलब है कि भारत में औसत बारिश 868.6 मिमी होती है और इस साल यानी कि वर्ष 2025 में करीब 895 मिमी बारिश हो सकती है। आईएमडी के अनुसार 2025 में 105 फीसदी यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है।अनुमान लगाया गया है कि इस बार उत्तर भारत में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और यूपी(उत्तर प्रदेश) में मानसून समय पर पहुंचेगा। इतना ही नहीं, महाराष्ट्र व मध्य भारत में मराठवाड़ा, विदर्भ में भी गई है। गौरतलब है कि साल बारिश में कमी देखने को मिली थी, लेकिन इस साल(वर्ष 2025) वैश्विक जलवायु संकेतकों में सुधार देखने को मिल रहा है। यदि इस साल भारत में अच्छी बारिश का यह अनुमान सटीक निकलता है तो कहना गलत नहीं होगा कि इससे भारतीय किसानों को खेती में अभूतपूर्व लाभ मिल सकेंगे। मसलन, वे समय पर बुवाई कर सकेंगे तथा इसके साथ ही किसानों की सिंचाई पर निर्भरता भी घटेगी और खेती की लागत में भी कमी आएगी। खरीफ फसलों विशेषकर धान, मक्का, सोयाबीन, कपास आदि की पैदावार बेहतर होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं, खेतों में नमी रहने से रबी(गेहूं, जौ, मटर, चना, सरसों, अलसी, मसूर, आलू आदि)की भी अच्छी फसल होगी जिससे महंगाई घटने की उम्मीद है। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि बारिश के फायदे और नुकसान दोनों ही हैं। मसलन बारिश के फायदों की अगर बात करें तो बारिश से नदियों, झीलों, और जलभृतों का जलस्तर बढ़ता है और पेड़-पौधों और वनस्पतियों को फायदा पहुंचता है।बारिश से हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर के लिए पानी की कमी पूरी होती है। बारिश का नुकसान यह है कि यदि थोड़े समय में जबरदस्त बारिश हो जाती है, तो इससे बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, यह मानसून खरीफ की फसल के मुनाफिक होता है। अत्यधिक वर्षा के कारण आने वाली विपदाओं से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। महानगरों में निचले स्थानों पर जलभराव की समस्याएं पैदा हो जातीं हैं, क्यों कि नगर नियोजन ठीक नहीं है। अधिक बारिश के कारण बहुत बार कच्चे घर/झोपड़े और जानवर बह जाते हैं। पक्षियों को भी खास परेशानी होती है और खेतों में खड़ी फसलों को जबरदस्त नुकसान पहुंचता है।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि बीते साल यानी कि वर्ष 2024 में जून-सितम्बर के दौरान रिकॉर्ड औसतन 8% अधिक बारिश हुई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि एक शोध में पाया गया कि पिछले कुछ समय में मानसून की तीव्रता में अच्छी-खासी दीर्घकालिक वृद्धि हुई है, जो पश्चिमी घाट और आसपास के क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं को बढ़ाने में योगदान दे रही है। उदाहरण के लिए, 2018 और 2019 में वायनाड और कोडागु में आए विनाशकारी भूस्खलन व बाढ़ को इसी का परिणाम बताया गया है। अध्ययन बताते हैं कि पिछले 800 वर्षों में पश्चिमी घाट में मानसून की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वास्तव में, इसकी वजह जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है।बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि इस साल हीटवेव के दिन बढ़ेंगे। यानी 40 फीसदी से ज्यादा तापमान वाले दिनों की संख्या पहले से ज्यादा होगी। ध्यातव्य है कि इस साल अप्रैल के महीने में ही हीटवेव शुरू हो चुकी है। अंत में यही कहूंगा कि मौसम विभाग की भविष्यवाणियों में केवल 4% की त्रुटि होती है, इसलिए अधिक बारिश से सतर्क रहने की भी आवश्यकता महत्ती है। इससे पहले कि देश में अधिक बारिश की परिस्थितियां बनें, हमें यह चाहिए कि हम बरसाती जल का उचित संरक्षण और भंडारण करने की ओर अभी से पर्याप्त ध्यान दें और इसके लिए पूर्व-प्लानिंग करें। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि वर्षा जल संचयन से पानी की आपूर्ति पर पड़ने वाला बोझ कम होता है तथा इससे जहां एक ओर बिजली बिल व मृदा अपरदन में कमी आती है, वहीं जल-संचयन से पीने योग्य पानी, सिंचाई आदि की आवश्यकताओं की भी पूर्ति होती है।

राज्यपालों की राजनीति : राजनीति के राज्यपाल

- रमाकांत नाथ

तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रोके गए विधेयक मुख्यतः राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित विधायी अधिनियमों में संशोधन पर थे। यदि ऐसा कोई विधायी अधिनियम नहीं बनाया गया तो स्वाभाविक है कि राज्य में उच्च शिक्षा प्रणाली में अराजकता फैल जाएगी। केंद्र सरकार ने तमिलनाडु में उच्च शिक्षा प्रणाली को भ्रष्ट करने में भूमिका निभाई है।

भारत में संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का ताजा उदाहरण हाल का सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला है जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति संसद या राज्य विधानसभा में पारित किसी भी विधेयक को तीन महीने से अधिक समय तक रोककर नहीं रख सकते। इसके साथ ही अदालत ने पारित विधेयक को कानून का दर्जा देने की समय सीमा तय कर दी है। कुछ लोग इसे विधायिका पर न्यायपालिका का हस्तक्षेप कह सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल भारतीय संवैधानिक व्यवस्था से बाहर नहीं हैं, न ही वे लोकतंत्र से ऊपर हैं। इसलिए, राष्ट्रपति और राज्यपाल विधेयक को रोकने के लिए अपने पॉकेट वीटो का उपयोग नहीं कर सकते।

415 पन्नों के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रपति किसी भी राज्य से आने वाले विधेयक को प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर मंजूरी देंगे। यदि उक्त बिल के संबंध में कोई समस्या हो तो इसकी सूचना संबंधित राज्य को दी जा सकती है। इसी प्रकार, राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करेंगे तथा अपने विवेक से विधेयक को रोकने के लिए पॉकेट वीटो का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो संबंधित राज्य सरकार कानून की शरण ले सकती है और संवैधानिक पीठ मामले की सुनवाई करेगी। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद - 200 में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए विधेयक पारित करने की कोई समय सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है, फिर भी राष्ट्रपति और राज्यपाल अपनी इच्छा से विधेयक को रोक नहीं सकते।

फैसले में कहा गया है कि अगर इस आदेश का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट इसकी समीक्षा कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद - 201 के तहत सर्वोच्च न्यायालय ने अपने विशेषाधिकार के आधार पर विधेयक पारित करने के लिए समय सीमा निर्धारित की है। संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास आने वाले विधेयक उनकी मंजूरी के बाद कानून बन जाते हैं। राष्ट्रपति और राज्यपाल संसद या विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को लौटा सकते हैं या विधेयक पर अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं।

बिहार में लालू परिवार से हटकर राहुल तैयार कर रहे हैं कांग्रेस की सियासी जमीन

संजय सक्सेना,लखनऊ

ी घड़ी करीब आती जा रही है। चंद महीनों बाद यहां नई सरकार का गठन होना है। सरकार बनाने के लिये एनडीए और इंडिया गठबंधन के साथ-साथ मैदान में जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर और ओवैसी भी अपना भविष्य तलाश रहे हैं। बिहार में अगला सीएम कौन होगा,इसको लेकर एनडीए ने तो साफ कर दिया है कि उनकी तरफ से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं,लेकिन इंडिया गठबंधन या महागठबंधन में शामिल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल यानी आरजेडी के बीच भावी सीएम को लेकर कोई नाम नहीं तय हो पाया है,जबकि आरजेडी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बता रहे हैं। यह सब तब देखने को आ रहा है जबकि कांग्रेस और राजद के बीच रिश्ता दशकों पुराना है।मगर अब लगता है कि दोनों ही दल इसे आगे बढ़ाने के मूड में नहीं हैं। इसी के चलते मौजूदा दौर में यह गठबंधन एक बेहद नाजुक मोड़ पर खड़ा नजर आ रहा है। लालू यादव और सोनिया गांधी की दोस्ती ने वर्षों तक दोनों दलों के संबंधों को मजबूती दी, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि जबसे राहुल गांधी ने कांग्रेस की कमान अपने हाथों में लीं हैं, तबसे यह रिश्ता लगातार खिंचाव का शिकार होता जा रहा है। यह खिंचाव केवल राजनीतिक फैसलों में नहीं, बल्कि वैचारिक टकराव और नेतृत्व के बीच भरोसे की कमी में भी दिखाई देता है।

सबसे बड़ी बात यह है कि राहुल गांधी बिहार में तेजस्वी के समानांतर कांग्रेस के एक नेता को उभारना चाह रहे हैं। राहुल गांधी का कन्हैया कुमार को बिहार में आगे करना और समय-समय पर उनका साथ देना, आरजेडी को साफ तौर पर चुभता है। लालू यादव को यह डर सताता है कि कांग्रेस कहीं उनके यादव वोट बैंक में सेंध न लगा ले, और यही डर तेजस्वी यादव के व्यवहार में भी झलकता है। तेजस्वी खुद को बिहार की राजनीति में एकमात्र विकल्प के रूप में स्थापित करने में लगे हैं, और ऐसे में कन्हैया कुमार जैसे नेताओं का उभार उन्हें असहज कर देता है। यह असहजता सिर्फ जातिगत समीकरणों की वजह से नहीं है, बल्कि कांग्रेस की बदली हुई रणनीति का संकेत भी देती है, जिसमें वह अब खुद को हर वर्ग में स्वीकार्य बनाना चाहती है, चाहे वह सवर्ण हों, दलित हों या यादव। लेकिन समस्या यह है कि लालू यादव कांग्रेस को सवर्णों की राजनीति करने से नहीं रोकते, लेकिन जैसे ही कांग्रेस बिहार के यादव या दलित वोट बैंक में हाथ डालती है, उन्हें परेशानी होने लगती है। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार ये दोनों चेहरे लालू यादव के लिए खतरे की घंटी बन गए हैं।

खासकर तब, जब ये दोनों नेता सामाजिक न्याय की वही भाषा बोलते हैं जिसे लालू यादव ने दशकों पहले गढ़ा था। पप्पू यादव का क्षेत्रीय प्रभाव और कन्हैया कुमार की वैचारिक पकड़, दोनों ही आरजेडी को अस्थिर कर सकते हैं और राहुल गांधी का इन दोनों को प्रमोट करना, आरजेडी को यह समझाने का संकेत है कि कांग्रेस अब सिर्फ सहायक दल बनकर नहीं रहना चाहती,लेकिन यह टकराव सिर्फ वैचारिक या जातिगत नहीं है, बल्कि नेतृत्व के सवाल पर भी है। कांग्रेस बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने से कतरा रही है, जबकि आरजेडी स्पष्ट रूप से यह ऐलान कर चुकी है। तेजस्वी की अगुवाई में महागठबंधन की बैठकें हो रही हैं, कोआर्डिनेशन कमेटी बनी है

और सब कुछ ऐसा लग रहा है जैसे चुनावी रणनीति उनके नेतृत्व में ही तैयार हो रही हो। लेकिन कांग्रेस का यह मानना कि तेजस्वी का नाम सामने लाकर चुनाव लड़ने से दलित, सवर्ण और गैर-यादव पिछड़ा वर्ग उनके साथ नहीं आएगा, यह दिखाता है कि दोनों दलों की सोच में गहरा फासला है। यह वही कांग्रेस है जिसने कभी लालू यादव के भ्रष्टाचार मामलों में फंसे होने के बावजूद खुलकर उनका समर्थन किया था, लेकिन अब वह अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाना चाहती है।

राहुल गांधी की रणनीति यह है कि जैसे 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद का चेहरा नहीं घोषित कर इंडिया गठबंधन ने लड़ा, वैसे ही बिहार में भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर सस्पेंस बना रहे ताकि सभी जातियों और वर्गों के वोट एक साथ जोड़े जा सकें। लेकिन लालू और तेजस्वी के लिए यह रणनीति उनकी स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता पर सीधा सवाल है।

मोटापा घटाने वाली ओजेंपिक दवा के साइड इफेक्ट्स भी आ रहे सामने, हो रही ओजेंपिक फीट की समस्या, क्या है ये बीमारी?

वजन घटाने के लिए आजकल कई लोग ओजेम्पिक जैसी इंजेक्शन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं. यह दवाएं उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं जो लंबे समय से मोटापे से जूझ रहे हैं. लेकिन हर दवा के कुछ न कुछ साइड इफेक्ट होते हैं. अब तक ओजेम्पिक फेस यानी चेहरे की त्वचा पर वजन घटाने का असर चर्चा में था, लेकिन अब ओजेम्पिक फीट भी एक नया साइड इफेक्ट सामने आया है. इसका असर पैरों की त्वचा, संरचना और चाल-ढाल पर भी पड़ सकता है. आइए विस्तार से जानते हैं कि क्या है ओजेम्पिक फीट और इससे कैसे बचा जा सकता है.

डॉक्टरों के मुताबिक, जब वजन तेजी से घटता है, तो शरीर के कई हिस्सों में फैट की मात्रा कम हो जाती है. यही कारण है कि कुछ लोगों के चेहरे पर झुर्रियां, ढीलापन या उम्र से पहले बूढ़ा दिखने जैसा असर दिखता है, जिसे ओजेम्पिक फेस कहा जाता है. ठीक इसी तरह पैरों में भी ऐसा असर देखा जा रहा है, जिसे ओजेम्पिक फीट कहा जा रहा है.

इसमें पैरों की त्वचा ढीली, झुरीर्दार और पतली हो सकती है. कुछ मामलों में पैरों की चर्बी कम होने की वजह से जूते ढीले लगने लगते हैं या चलने में दर्द और तकलीफ महसूस होती है. कुछ लोगों का जूता साइज भी बदल जाता है.

पैरों में दर्द और बदलाव क्यों होता है?

जब पैरों की चर्बी अचानक कम हो जाती है, तो तलवों में मौजूद फैट पैड्स भी खत्म होने लगते हैं. ये फैट पैड्स हमारे पैर के तलवों में गद्दे की तरह काम करते हैं और चलने के समय झटके को सहन करने में मदद करते हैं. जब ये कम हो जाते हैं तो ऐसा लगता है जैसे इंसान हड्डी पर चल रहा हो. इससे चलना, खड़ा रहना और यहां तक कि जूते पहनना भी मुश्किल हो जाता है. इसके अलावा, जब फैट की परतें घट जाती हैं तो नसें और टेंडन ज्यादा दिखाई देने लगते हैं, जिससे पैरों का लुक उम्रदराज जैसा हो जाता है. फिलहाल ओजेम्पिक फीट से जुड़े मामलों पर बहुत सीमित डेटा है. डॉक्टर मानते हैं कि अभी इसकी रिपोर्टिंग कम हो रही है क्योंकि लोग अपने पैरों के बदलावों पर उतना ध्यान नहीं देते जितना चेहरे पर देते हैं. आने वाले सालों में जैसे-जैसे इस दवा का उपयोग बढ़ेगा, इस साइड इफेक्ट पर भी ज्यादा रिसर्च और रिपोर्ट्स सामने आएंगी. अगर किसी को पैरों में अचानक दर्द, जलन, सुन्नपन या त्वचा में कोई बदलाव महसूस हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

पाकिस्तान ने भारतीय उच्चायोग की प्रभारी को तलब किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आज सुबह भारतीय उच्चायोग की प्रभारी गीतिका श्रीवास्तव को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान और पीओके में की गई कार्रवाई पर कड़ा विरोध दर्ज किया। द नेशन अखबार की इस आशय की खबर के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और पीओके में कई स्थानों पर भारत ने अकारण हमला किया। यह कार्रवाई मुल्क की संप्रभुता का उल्लंघन है। यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

फ्रेडरिक मर्ज़ दूसरे मतदान में बने जर्मनी के नए चांसलर, ऐतिहासिक हार के कुछ घंटों बाद मिली जीत

बर्लिन। जर्मनी की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ आया, जब कंजरवेटिव नेता फ्रेडरिक मर्ज़ ने संसद में हुए दूसरे मतदान में जीत हासिल कर देश के 10वें चांसलर के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह जीत उस पहले दौर की असफलता के कुछ ही घंटों बाद आई, जब मर्ज़ बहुमत प्राप्त नहीं कर सके थे। यह जर्मनी के इतिहास में पहली बार हुआ है जब द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी चांसलर उम्मीदवार को पहले मतदान में पराजय का सामना करना पड़ा। मर्ज़ को चांसलर बनने के लिए 630 सदस्यीय संसद में कम से कम 316 वोटों की आवश्यकता थी। पहले मतदान में उन्हें सिर्फ 310 मत मिले थे, जबकि उनके गठबंधन के पास 328 सीटें थीं। हालांकि, मंगलवार दोपहर हुए दूसरे मतदान में उन्होंने 325 मत प्राप्त कर बहुमत हासिल कर लिया। गुप्त मतदान होने से यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पहले दौर में किसने मर्ज़ के समर्थन से किनारा किया। हालांकि मतदान के दूसरे दौर की सफलता ने मर्ज़ के नेतृत्व को मजबूत आधार दे दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने मर्ज़ को चांसलर बनने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें अब जर्मनी से यूरोप और ट्रांसअटलांटिक नेतृत्व में अधिक भूमिका की अपेक्षा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जर्मनी अमेरिका के बाद यूक्रेन को सैन्य सहायता देने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है।

नेपाल में 12 भारतीय न्यूज चैनल के प्रसारण पर रोक, भारतीय मीडिया प्रतिनिधियों का प्रेस पास रद्द

काठमांडू। नेपाल के प्रेस काउंसिल ने एक दर्जन भारतीय चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाने की सिफारिश की है। इसके अलावा नेपाल में कार्यरत भारतीय मीडिया के प्रतिनिधियों को प्रदान की गई मीडिया परिचय पत्र को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने के लिए कहा है। प्रेस काउंसिल नेपाल ने सूचना विभाग को पत्र लिखते हुए नेपाल के बारे में गलत रिपोर्टिंग करने के कारण भारतीय न्यूज चैनलों के प्रसारण को बंद करने का निर्देश दिया है। सूचना तथा संचार मंत्रालय के मातहत रहे सूचना विभाग को निर्देशात्मक पत्र लिखते हुए प्रेस काउंसिल ने कहा है कि नेपाल के संविधान और कानून के विपरीत देश के लोकतंत्र और गणतंत्र के विरोध में खबर दिखाने और राजशाही के पक्ष में चल रहे आंदोलन को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए सभी प्रमुख चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। काउंसिल के अध्यक्ष बालकृष्ण बस्नेत ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि भारतीय चैनलों ने राजशाही के पक्ष में हुए आंदोलन को बढ़ा चढ़ा कर पेश करने, प्रदर्शनकारियों को भड़काने, सत्य तथ्य से परे होकर खबर प्रसारित करने के कारण भारतीय चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाया गया है। बस्नेत ने बताया कि भारतीय न्यूज चैनल आजतक, एबीपी, जी न्यूज, न्यूज 18, टीवी 9, एनडीटीवी, रिपब्लिक भारत जैसे चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाया गया है।

नेपाल में ओली और प्रचंड की बढ़ती नजदीकियों से सत्ता के समीकरण बदलने के आसार

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और प्रमुख विपक्षी दल के नेता पुष्प कमल दहाल प्रचंडके बीच पिछले कुछ दिनों से बढ़ती नजदीकियों ने सत्ता के समीकरण में परिवर्तन की संभावना को बढ़ा दिया है। सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों में अविश्वास का वातावरण बनने से इस संभावना को और अधिक बल मिल रहा है।पिछले रविवार को प्रधानमंत्री ओली ने सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष एवं विपक्षी नेता प्रचंड को अपने सरकारी आवास पर बुलाकर मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री ओली ने अपने लिए तय कुर्सी को छोड़ कर प्रचंड के पास उनके बगल में बैठ कर उनसे अपनी बढ़ती नजदीकियों का संकेत दिया। यह फोटो खुद प्रधानमंत्री के निजी सचिवालय ने मीडिया को जारी किया था।इसके अगले दिन यानी सोमवार को संसद की बैठक के दौरान जैसे ही प्रचंड ने सदन में प्रवेश किया वैसे ही प्रधानमंत्री ओली ने अपने स्थान पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया, हाथ मिलाया और खड़े होकर कुछ देर तक बातें करते रहे। पूरे देश ने इस पूरे दृश्य का प्रत्यक्ष प्रसारण देखा। प्रचंड से ओली की बढ़ती नजदीकियों ने नेपाली कांग्रेस के नेताओं की नींद उड़ा दी है।

ऑपरेशन सिंदूर : भारत के एयरस्ट्राइक के बाद सहमा पाकिस्तान, आसमान में भी सन्नाटा

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में हर तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है। पाकिस्तान ने बुधवार की सुबह कई प्रमुख हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी अलर्ट लागू कर दिया। ऐसी खबरें भी आईं कि पाकिस्तान ने कमोबेश सभी उड़ानें रद्द कर दीं। मीडिया रिपोर्ट्स से सामने आया है कि पाकिस्तान ने कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जानी वाली सारी फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया है। वहीं, भारतीय सेना के एक्शन के बाद पाकिस्तान सहमा हुआ है और वहां के आसमान में भी सन्नाटा पसरा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24' से पता चलता है कि बुधवार की सुबह 11 बजे पाकिस्तानी आसमान में खामोशी छाई रही। भारत के एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के आसमान में एकाध प्लेन ही उड़ते दिखे। इसमें

बीजिंग से दुबई और लाहौर से कराची जाने वाली फ्लाइट शामिल थी। अमूमन सुबह के इस वक्त में पाकिस्तान के आसमान में विमानों की काफी आवाजाही होती है। लेकिन, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सहमे पाकिस्तान के आसमान में भी सन्नाटा छाया है। माना जा रहा है कि भारत के एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने किसी अनहोनी की आशंका के लिहाज से तमाम फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया है। इससे पहले पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानों के लिए बंद करने का फैसला किया था। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के नौ ठिकानों पर सटीक हमला किया। बताया गया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित उन आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई जाती रही है। कुल मिलाकर नौ स्थानों को निशाना बनाया गया है। भारत ने एयरस्ट्राइक पर कहा कि हमारी कार्रवाई केंद्रित, संतुलित और गैर-उत्तेजक रही है। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्य चयन और कार्यप्रणाली में उल्लेखनीय संयम दिखाया है। यह कदम बर्बर पहलगाम आतंकी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। हम अपने उस संकल्प पर कायम हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

काठमांडू में माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बाथरूम में बेहोश मिले, सिर पर आई चोट

एजेंसी

काठमांडू। माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड बीती देर रात अपने बाथरूम में बेहोश पाए गए । उनके सिर पर चोट आई है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई गई है। उनकी बेटी गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में गिरने से उनके सिर पर चोट आई है। तत्काल ही उन्हें काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनके सिर पर तीन टांके लगाए गए। गंगा दहाल ने बताया कि बाथरूम में जाते समय संभवतः उनका पांव फिसल गया और वहां रखे बाथ टब से टकराकर गिर गए। इस दौरान चोट लगने से वह बेहोश हो गए । इस समय उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल वो आराम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री केपी ओली सहित सभी प्रमुख नेताओं ने उनके घर जाकर उनसे मुलाकात की है।

एयरस्ट्राइक पर चीन ने जताई फिक्र, दोनों देश से संयम बरतने की अपील

एजेंसी

बीजिंग । पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है। भारत की एयर स्ट्राइक पर चीन के विदेश मंत्रालय का बयान आया है। चीन ने भारत के सैन्य ऑपरेशन पर फिक्र जाहिर की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि चीन को भारत के आज सुबह किए गए सैन्य ऑपरेशन पर अफसोस है। हम मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित हैं। भारत और पाकिस्तान हमेशा एक-दूसरे के पड़ोसी रहेंगे और दोनों चीन के भी पड़ोसी हैं। चीन हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है। हम दोनों देशों से शांति और स्थिरता के बड़े हित में काम करने, शांत रहने, संयम बरतने और ऐसे कदमों से बचने की अपील करते हैं जो स्थिति को और जटिल कर सकते हैं। इससे पहले भारत के एयर स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार विदेशी मीडिया के

सामने गिड़गिड़ाते दिखे। तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान में कोई आतंकी शिविर नहीं है और उसने हमेशा अपनी पश्चिमी सीमा पर आतंकियों से लड़ाई की है। वहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने विश्व बिरादरी से अपील करते हुए कहा, 'दुनिया आतंकवाद के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस दिखाए। पहलगाम हमले का बदला भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक से लिया है। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार इस पूरी सैन्य कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं। यह हमला 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई का हिस्सा था, जिसमें जम्मू-कश्मीर में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की जान चली गई थी। यह ऑपरेशन भारत द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए एक सुनियोजित कदम था कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए, जबकि आगे की स्थिति से बचने के लिए संयम बनाए रखा गया।

ऑपरेशन 'सिंदूर' : मसूद अजहर का परिवार खत्म, बोला- काश मैं भी मर जाता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने आतंक के गढ़ पाकिस्तान पर ऐसा प्रहार किया है, जिसकी गूंज सरहद पार तक सुनाई दे रही है। भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के साझा ऑपरेशन 'सिंदूर' में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का पूरा परिवार मारा गया। पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, मसूद अजहर के घर पर भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक की, जिसमें उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए। मसूद अजहर का बयानः हमले के बाद बौखलाए मसूद अजहर ने कहा, 'मेरे परिवार के 10 लोग इस हमले में मारे गए... काश मैं भी उनके साथ मर जाता।' भारत के इस हमले ने उसके आतंकी साम्राज्य की नींव हिला दी है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की सरकार और सेना सकते में हैं। मीडिया में मसूद अजहर के परिवार की मौत की खबर ने सनसनी फैला दी है। वहीं पाक सेना ने आधिकारिक रूप से अभी तक इस हमले पर कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बालाकोट एयरस्ट्राइक' के बाद अब 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की जवाबी नीति का

बयान नहीं दिया है। सेना सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया गया। इनमें कई टॉप कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। तीसरा और सबसे तीव्र उदाहरण बन गया है। 25 मिनट के इस ऑपरेशन ने न केवल आतंकी नेटवर्क को हिला दिया, बल्कि यह संदेश भी दे दिया कि भारत अब केवल शब्दों में नहीं, एक्शन में भी जवाब देता है।

'आतंकियों को पता होना चाहिए कि बचने के लिए कोई जगह नहीं', इजरायल का 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली । 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के एयरस्ट्राइक का इजरायल ने समर्थन किया है। इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷इजरायल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। इस सैन्य कार्रवाई में उन आतंकी कैंपों और लॉजिस्टिक

ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी समूहों से जुड़े थे।भारतीय खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों से जोड़ा है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी द रेसिस्टेंस फ्रंट ने जिम्मेदारी ली है। सेना ने ऑपरेशन के बाद कहा, थोड़ी देर पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई और निर्देशित की गई थी। भारतीय सेना के प्रवक्ता ने हमलों की सटीकता और सीमित दायरे की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हमारी कार्रवाई केंद्रित और सटीक रही। हमने केवल उन आतंकी कैंपों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें अंजाम दिया गया था। प्रवक्ता ने कहा,ऑपरेशन का इरादा और कार्यान्वयन गैर-विवाद बढ़ाने वाला था। उन्होंने आगे कहा, ÷न्याय हो गया, जय हिंद। भारत सरकार ने पुष्टि की है कि सभी नौ लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक हमला किया गया, जिससे पाकिस्तान में कोई नागरिक, सैन्य या आर्थिक बुनियादी ढांचा प्रभावित नहीं हुआ।

इजराइल के हवाई हमलों से यमन का सना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पूरी तरह निष्क्रिय, तीन की मौत, 38 घायल

एजेंसी

जेरूसलम। इजराइल की सेना ने यमन की राजधानी सना में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिनमें देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पूरी तरह से निष्क्रिय हो गया। यह कार्रवाई हूती विद्रोहियों द्वारा इजराइल के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मिसाइल हमला करने के एक दिन बाद की गई है। इजराइली सेना ने बताया कि सना के हवाईअड्डे के साथ-साथ कई बिजली संयंत्रों को भी निशाना बनाया गया। इजराइल की टीवी चैनलों पर प्रसारित फुटेज में सना शहर के ऊपर घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई धमाकों के साथ काले धुएं के गुबार को पहाड़ियों के बीच उठते देखा गया। हूती समर्थित समाचार एजेंसी सबा ने स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि इन हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है और 38 अन्य घायल हुए हैं। हमलों से पहले इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचाय अडरी ने सोशल मीडिया पर एक चेतावनी जारी करते हुए कहा था, हम आपसे अपील करते हैं कि सना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के क्षेत्र को तुरंत खाली करें और वहां मौजूद लोगों को भी सतर्क करें। इस क्षेत्र में बने रहना आपके जीवन के लिए खतरा बन सकता है। इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज़ ने हमलों को ईरानी ऑक्टोपस के प्रमुख को चेतावनी बताते हुए कहा कि ईरान को हूती विद्रोहियों के जरिए इजराइल पर हो रहे हमलों की सीधी जिम्मेदारी लेनी होगी।

भारत की एयर स्ट्राइक के बाद इस्लामाबाद में स्कूल-कॉलेज बंद, आदेश जारी

एजेंसी

इस्लामाबाद । भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय इस्लामाबाद ने एक आदेश में कहा है कि मौजूदा सुरक्षा स्थिति के कारण यह अधिसूचित किया जाता है कि इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के स्कूल और कॉलेज 07 मई 2025 (बुधवार) को बंद रहेंगे। हालांकि, सभी निर्धारित परीक्षाएं 7 मई को योजना के अनुसार होंगी और इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया। भारतीय सेना ने नौ आतंकी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी लगातार इस पूरी सैन्य कार्रवाई पर नजर रखे हुए हैं। भारतीय सेना

के प्रवक्ता ने कहा, हमारे हमले केंद्रित और सटीक थे। हमने केवल उन आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ हमले की योजना बनाई गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर ऑपरेशन की प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े। प्रधानमंत्री की सक्रिय भागीदारी ने मिशन के महत्व और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर किया। सेना के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचाया गया, जो लक्षित आतंकवाद विरोधी प्रयासों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में कुछ आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। पर्यटकों ने बताया था कि आतंकियों ने चुन-चुनकर गोली मारी थी।

दुनिया को भारत ने बताया हमने आतंकी ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक, यूएन महासचिव ने जताई चिंता

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र, । महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान के खिलाफ भारत के सैन्य अभियान को लेकर 'बहुत चिंतित' हैं और उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक के अनुसार, 'दुनिया दोनों देशों के बीच टकराव बर्दाश्त नहीं कर सकती।' भारत द्वारा पाकिस्तान और कश्मीर में अपने कब्जे वाले क्षेत्र में मिसाइल हमले की घोषणा के तुरंत बाद दुजारिक ने कहा, वह दोनों देशों से अधिकतम सैन्य संयम बरतने का आह्वान करते हैं। उन्होंने कहा, महासचिव नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार भारतीय सैन्य अभियानों को लेकर बहुत चिंतित हैं। दुनिया भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव बर्दाश्त नहीं कर सकती।भारत के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर के नौ स्थानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया है। एक्स पोस्ट में कहा, 'बर्बर पहलगाम आतंकी हमले के सटीक और संयमित जवाब में' 'नौ आतंकवादी बुनियादी ढांचे स्थलों पर केंद्रित हमले किए गए।' इससे पहले, भारतीय सेना ने कहा था कि उसने पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान के भीतर नौ स्थानों पर हमला किया है। सेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, थोड़ी देर पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करते हुए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई और निर्देशित किया गया था। भारतीय सेना ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर भी पोस्ट किया, याय हुआ। जय हिंद। सेना ने कहा, कुल मिलाकर नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है। हमारी कार्रवाई केंद्रित, नपी-तुली और उकसावे की नहीं रही है। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम दिखाया है। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कश्मीर के पर्यटन स्थल में 26 लोगों के नरसंहार की जिम्मेदारी ली थी।

यूक्रेन ने रातभर रूस में किया ड्रोन हमला, मॉस्को को भी बनाया निशाना

एजेंसी

मॉस्को। यूक्रेन ने रूस में सारी रात मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) से हमला किया। यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को के कुछ हिस्सों को भी निशाना बनाया। रूस का दावा है कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों को विफल कर दिया गया। रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास ने रूस के रक्षा मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश की वायु रक्षा प्रणालियों ने रात को रूसी क्षेत्रों में 105 यूक्रेनी मानवरहित हवाई वाहनों को रोका और नष्ट कर दिया। इनमें से 19 मास्को क्षेत्र में थे। तास के अनुसार, 05 मई की रात 09 बजे मास्को समय (शाम 06 बजे जीएमटी) से 6 मई को सुबह चार बजे तक वायु रक्षा प्रणालियों ने रूसी क्षेत्रों में 105 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग यूएवी के हमले को रोकते हुए उन्हें मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ब्रांस्क क्षेत्र में 32 ड्रोन, वोरोनिश क्षेत्र में 22, मॉस्को क्षेत्र में 19, पेन्जा क्षेत्र में 10, कलुगा क्षेत्र में नौ, बेलगोरोड क्षेत्र में छह, लिपेत्स्क और समारा क्षेत्रों में दो-दो और व्लादिमीर, कुर्स्क और रोस्तोव क्षेत्रों में एक-एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया।मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि राजधानी की तरफ आ रहे ड्रोन में से एक का मलबा काशीरस्कॉय हाइवे पर गिरा। प्रारंभिक सूचना में कोई गंभीर क्षति नहीं हुई है।

भारत के हमले का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार : शहबाज शरीफ

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर-राज्य संबंधों के स्थापित मानदंडों का घोर उल्लंघन बताया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने माना है कि भारत के आक्रामक हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिकों की मौत होने की बात स्वीकारी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत के हमले का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार है। ?भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने भारतीय हवाई क्षेत्र में रहते हुए बिना उकसावे के और खुलेआम युद्ध की कार्रवाई करते हुए मुरीदके और बहावलपुर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार और कोटली और मुजफ्फराबाद, जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा पार नागरिक आबादी को निशाना बनाते हुए स्टैंड ऑफ हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। भारत के आक्रामक कृत्य के परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिक शहीद हुए हैं। इस आक्रामक कृत्य ने वाणिज्यिक हवाई यातायात को भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।? विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा

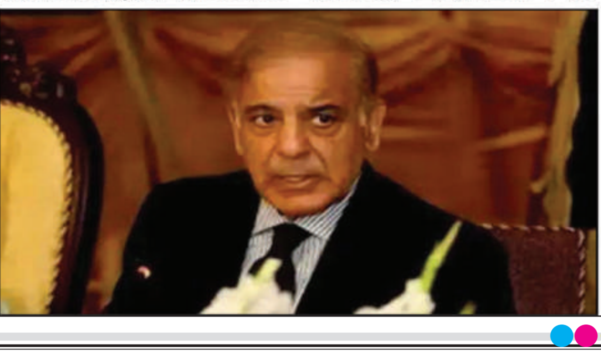

कि हम भारत की कायरतापूर्ण कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतर-राज्य संबंधों के स्थापित मानदंडों का घोर उल्लंघन है। पहलगाम हमले के मद्देनजर भारतीय नेतृत्व ने एक बार फिर आतंकवाद के हौवे का इस्तेमाल पीड़ित होने की अपनी झूठी कहानी को आगे बढ़ाने के लिए किया है, जिससे क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। भारत की लापरवाह कार्रवाई ने दो परमाणु-सशस्त्र राज्यों को एक बड़े संघर्ष के करीब ला दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ट्वीट किया, चालाक दुश्मन ने पाकिस्तान में पांच स्थानों पर कायरतापूर्ण हमले किए हैं। भारत ?के इस युद्ध के कृत्य का पाकिस्तान को जोरदार तरीके से जवाब देने का पूरा अधिकार है और जोरदार जवाब दिया जा रहा है। पूरा देश पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के साथ खड़ा है और पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र का मनोबल और भावना उच्च है। पाकिस्तानी राष्ट्र और पाकिस्तानी सशस्त्र बल जानते हैं कि दुश्मन से कैसे निपटना है। हम दुश्मन को उनके नापाक इरादों में कभी सफल नहीं होने देंगे। पाकिस्तान के अंदर भारतीय हमलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहली टिप्पणी में कहा, यह शर्मनाक है। हमने ओवल के दरवाजे से अंदर जाते वक्त इसके बारे में सुना। मुझे लगता है कि लोगों को अतीत के आधार पर पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा।

वेव्स 2025 में प्रो कबड्डी लीग की सफलता बनी चर्चा का केंद्र

एजेंसी

मुंबई। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में 'इंडिजिनस स्पोर्ट्सः फ्रॉम इंडिया टू द ग्लोबल स्टेज' विषय पर एक अहम पैनल चर्चा हुई। इस सत्र में केंद्र सरकार, खेल प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय खेल रणनीति से जुड़े दिग्गज शामिल हुए। चर्चा का उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालना था। इस सत्र की शुरुआत ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के उद्घाटन भाषण से हुई। इसके बाद खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी, खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, खेल सलाहकार मिस्टर निक कावर्ड, फैनकोड के को-फाउंडर मिस्टर यानिक कोलाको और ईरानी कबड्डी स्टार फजल अत्राचली जैसे दिग्गजों ने अपने विचार रखे। प्रो कबड्डी लीग की सफलता पर बोलते हुए अनुपम गोस्वामी ने कहा, कबड्डी की यात्रा एशियन गेम्स में पहचान मिलने से लेकर जियोस्टार के साथ ऐतिहासिक साझेदारी तक पहुंच चुकी है। 2024 सीजन को 201 मिलियन दर्शकों ने देखा, यह बताता है कि देशी खेलों में कितनी बड़ी संभावनाएं हैं।

महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखलाः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। कोलंबो में चल रही महिला त्रिकोणीय सीरीज में भारतीय टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। भारत की नजर जहां फाइनल में जगह पक्की करने पर होगी, वहीं टीम पिछली हार का बदला लेने के इरादे से भी मैदान में उतरेगी। रविवार को श्रीलंका के खिलाफ मिली हार से भारत की लगातार आठ जीत की लय टूट गई थी।

अंकतालिका में भारत टॉप पर, नेट रनरेट बनी ताकत

भारत ने अब तक तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल किए हैं और नेट रनरेट (+0.433) के आधार पर श्रीलंका (+-0.166) से आगे है। दक्षिण अफ्रीका अभी तक एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे है, हालांकि उन्होंने एक मुकाबला कम खेला है।

बल्लेबाजी में प्रतिभा रावल चमकीं, गेंदबाज़ी में स्नेह राणा का जलवा

भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात ओपनर प्रतिभा रावल की शानदार फॉर्म रही है। उन्होंने अब तक 163 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं गेंदबाज़ी में स्नेह राणा ने तीन मैचों में 11 विकेट झटके हैं और 4.25 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी की है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने करियर का पहला पांच विकेट हॉल भी लिया था।

माता-पिता और वरिष्ठों के सहयोग से सुजाता कुजूर की नजर ओलंपिक खेलों पर

नई दिल्ली। ओडिशा के सुंदरगढ़ की गलियों से निकली 21 वर्षीय डिफेंडर सुजाता कुजूर अब भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर कैम्प का हिस्सा बन चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा पूरा किया, जो कि हॉकी की दुनिया में सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले टूर में से एक है। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे को याद करते हुए सुजाता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव रहा। सीनियर टीम के साथ पहली बार खेलने का मौका मिला, जहां थोड़ा दबाव भी महसूस हुआ, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। खासकर यह कि वो ट्रेनिंग और मैचों को कैसे लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, सीनियर खिलाड़ी बेहद सहयोगी और प्रेरणादायक रहे। उन्होंने मुझे समझाया कि बेवजह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान दो। सबने मुझे बहुत सपोर्ट किया। सुजाता की हॉकी यात्रा आसान नहीं रही। दीप ग्रेस एका को अपना आदर्श मानने वाली सुजाता ने मात्र 10 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उनके जज़्बे में कोई कमी नहीं आई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देसी खेल खो-खो बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 में देसी खेल खो-खो ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की है। 5 मई से बिहार के बोधगया स्थित बीआईपीएआरडी ग्राउंड में शुरू हुए खो-खो मुकाबलों को देखने के लिए सैकड़ों स्कूली छात्र मैदान में उमड़ पड़े। इस टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों की 8-8 टीमों सहित कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो 9 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन खेलों का आयोजन बिहार के पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में 15 मई तक किया जा रहा है। खो-खो मुकाबले 5 से 9 मई तक बोधगया में दो इनडोर मैट कोर्ट पर खेले जा रहे हैं। खो-खो को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम कदम है। हाल ही में हुए वेव्स समिट 2025 में इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के लगभग 40 तकनीकी अधिकारी टूर्नामेंट के संचालन में जुटे हैं। इस आयोजन में कुल लगभग 240 खिलाड़ी, 16 कोच और 16 टीम मैनेजर शामिल हैं।

एमआई कप्तान पंड्या और गुजरात कोच नेहरा पर लगा जुर्माना

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार रात मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई की टीम को एक बार फिर धीमी ओवर गति के चलते जुर्माने का सामना करना पड़ा है। वहीं, गुजरात के कोच आशीष नेहरा को 'खेल भावना के विपरीत आचरण' के लिए फाइन और डिमेरिट प्वाइंट दिया गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30-यार्ड सर्कल के अंदर लाना पड़ा, जो आईपीएल के नियमों के तहत धीमी ओवर गति पर इन-गेम पेनल्टी है। गुजरात को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक

पांड्या पर उनकी टीम द्वारा वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान में आगे कहा कि चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पंड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। वहीं मैच के अंतिम क्षणों में जब बार-बार बारिश की वजह से खेल रुका, आशीष नेहरा बेहद जोशीले अंदाज में नजर आए और अंपायरों से मैच फिर से शुरू करने की मांग करते दिखे। इसी आचरण को लेकर उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। नतीजतन, उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट प्वाइंट लगाया गया। यह पहली बार है जब किसी कोच को इस तरह की सजा दी गई है। आईपीएल के बयान के अनुसार गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया।

आईपीएल : पंजाब के साथ मुकाबले के लिए धर्मशाला पंहुचे दिल्ली के धुरंधर

एजेंसी

धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आठ मई को होने वाले दूसरे आईपीएल मुकाबले के लिए मेहमान दिल्ली कैपिटल्स की टीम मंगलवार दोपहर बाद धर्मशाला पहुंची। मेज़बान पंजाब किंग्स से टक्कर लेने के लिए अक्षर पटेल की सेना केएल राहुल और अन्य खिलाड़ियों के साथ दिन में करीब दो बजकर 40 मिनट पर गगल एयरपोर्ट पर पंहुचे। एयरपोर्ट से टीम के खिलाड़ियों को विशेष बसों द्वारा सीधा धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया। एयरपोर्ट और होटल पंहुचने पर दिल्ली की टीम का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। गौर हो कि दिल्ली कैपिटल्स आठ मई को धर्मशाला में मेजबान पंजाब किंग्स के साथ अपना मैच खेलेगी। यह मैच आठ मई को शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। पंजाब की टीम धर्मशाला में बीते चार मई को खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा कर पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पंहुच गई है। दिल्ली की टीम का बीते दिन हैदराबाद के साथ मुकाबला ड्रा रहा जिसके चलते वह अभी भी पांचवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, दूसरी ओर मेज़बान पंजाब किंग्स लखनऊ को हराने के बाद अपने होम ग्रांउड धर्मशाला में उत्साह से लबरेज है। पंजाब अपने आगामी दो अहम मुकाबले आठ को दिल्ली व 11 मई को मुंबई के साथ खेलने के लिए तैयार है। आठ मई को खेले जाने वाले इस मुकाबले से पूर्व दोनों टीमें मैदान में पसीना बहाती नजर आएंगी। तय कार्यक्रम बीके मुताबिक पंजाब की टीम आज शाम छह से नौ बजे तक जबकि दिल्ली की टीम कल बुधवार को इवी समय पर प्रैक्टिस के लिए मैदान में उतरेगी।

नेशनल टीम में जगह बनाने को तैयार सुनील जोजो, बोले- देश के लिए मेडल जीतना है सपना

एजेंसी

बेंगलुरु। ओडिशा के राउरकेला से निकलकर अब सुनील जोजो भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के नेशनल कोचिंग कैंप में अपनी जगह बना चुके हैं। 22 वर्षीय डिफेंडर पहले दो बार जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हाल ही में सुल्तान ऑफ जोहर कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। सीनियर कैंप में पहली बार शामिल होने का अनुभव साझा करते हुए सुनील ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह आसान नहीं है। यहां की फिजिकल डिमांड और खेल की गति काफी ज्यादा है। आपको तेजी से ढलना पड़ता है। स्किल लेवल भी अलग है, इसलिए कड़ी मेहनत करनी होती है। अब जब मैं यहां हूं, तो उसी हिसाब से खुद को ढाल रहा हूं।

अपनी ताकत और सुधार की जरूरतों पर फोकस

सुनील ने अपनी मजबूतियों में 'गेम अवेयरनेस' और 'टैकलिंग' को गिनाया, लेकिन साथ ही अपनी फिटनेस पर और काम करने की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा, मेरे खेल की सबसे बड़ी ताकत अवेयरनेस और टैकलिंग है, लेकिन मुझे अपने स्टेमिना और एंड्योरेंस पर काफी मेहनत करनी है। सुनील ने हमेशा मनप्रीत सिंह को अपना आदर्श माना है और अब उनके साथ कैंप में ट्रेनिंग करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, अब मैं उनके साथ ज्यादा वक्त बिता रहा हूं। वो अलग-अलग रोल और पोजीशन में खेलते हैं, तो मैं यह सीखने की कोशिश करता हूं कि वो अलग परिस्थितियों में कैसे खुद को ढालते हैं। भविष्य को लेकर सुनील पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बनना चाहता हूं और हर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए मेडल जीतूं। हीरो हॉकी इंडिया लीग

में यूपी रुद्रास टीम द्वारा चुने जाने के बाद भले ही सुनील को ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अनुभव को कीमती बताया। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, खासकर ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग के दौरान। आगे उस अनुभव का फायदा उठाना चाहता हूं।द्रद्म

इंटर मिलान के खिलाफ हार के बाद भड़के बार्सिलोना कोच हैंसी फ्लिक, रेफरी के फैसलों पर उठाए सवाल

एजेंसी

मिलान। सैन सिरो में इंटर मिलान से 4-3 की हार के बाद बार्सिलोना के चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने मैच के दौरान रेफरी के कई फैसलों पर नाराज़गी जाहिर की। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और 87वें मिनट में राफिन्हा के गोल से 3-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इंजुरी टाइम में इंटर के फ्रांसेस्को एचेर्बी ने गोल कर मैच को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। फिर घरेलू टीम के सब्स्टीट्यूट डेविडे फ्रत्तेसी ने निर्णायक गोल कर इंटर को 7-6 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में पहुंचा दिया।

रेफरी मार्किनियाक के फैसलों पर उठे सवाल

हैंसी फ्लिक ने पोलैंड के रेफरी सिज़मोन मार्किनियाक के फैसलों की आलोचना करते हुए कहा, हर 50-50 फैसला इंटर के पक्ष में गया।

उन्होंने इंटर को दिए गए पेनल्टी पर आपत्ति जताई, जो पाओ कुबारसी के लुटारो मार्टिनेज पर टैकल के लिए वीएआर समीक्षा के बाद दी गई थी। वहीं, बार्सिलोना को मिले एक

पेनल्टी को वीएआर ने यह कहते हुए बाहर का फाउल करार दिया कि मिखितारियन का यामल पर फाउल बॉक्स के बाहर हुआ था।

बार्सिलोना के खिलाड़ियों और स्टाफ ने एक संभावित हैंडबॉल और डुमफ्रिज द्वारा गेरार्ड मार्टिन पर फाउल को लेकर भी आपत्ति जताई, जो इंटर के बराबरी वाले गोल के पहले हुआ।

रेफरी से कहा जो कहना था, लेकिन यहां नहीं बताऊंगा - फ्लिक

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लिक ने कहा, ÷मैं रेफरी के बारे में ज्यादा नहीं बोलना चाहता, लेकिन हर फैसला उनके पक्ष में गया। मैं अपनी टीम से निराश नहीं हूं, उन्होंने सब कुछ झोंक दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने रेफरी को जो कहना था, कह दिया है, लेकिन मैं उसे यहां नहीं दोहराऊंगा।

अब लक्ष्य है ला लीगा, रियल से होगा बड़ा मुकाबला

बार्सिलोना अब कोपा डेल रे जीतने के बाद ट्रेबल की उम्मीद खो चुका है। टीम अब ला लीगा पर फोकस करेगी, जहां वह टॉप पर है और रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ 'एल क्लासिको' खेलेगी। बार्सिलोना चार अंकों की बढ़त के साथ आगे है और पिछले तीन क्लासिको मुकाबले जीत चुका है। फ्लिक ने कहा, हम इससे सीख लेंगे। हम आगे बढ़ना चाहते हैं, और हमारे पास अब ज्यादा समय नहीं है, लेकिन अगला मैच जल्द ही है। हर खिलाड़ी को खुद पर गर्व होना चाहिए।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

एजेंसी

मिलान। इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की। मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया। सिमोन इनज़ागी की टीम अब म्यूनिख में इस महीने के अंत में होने वाले फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन में से किसी एक से भिड़ेगी। इंटर के लिए यह मुकाबला

सीज़न का टर्निंग पॉइंट बन गया है, क्योंकि वह पहले ही इटालियन कप से बाहर हो चुका था और सीरी ए की दौड़ में भी नेपोली से पिछड़ गया है। बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्बी ने डेनजेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। अब इंटर मिलान दो साल में दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा है और एक बार फिर यूरोप का ताज पहनने की दहलीज़ पर खड़ा है।

बिहार में आईपीएल की तर्ज पर होगा बिहार प्रीमियर लीग

एजेंसी

पटना। बिहार अपने खेलों के स्तर को लगातार बढ़ा में लगा है। इसके तहत अब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर बिहार प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आयोजन की घोषणा की है। यह टी-20 फॉर्मेट का भव्य टूर्नामेंट 1 जून से 25 जून 2025 तक पटना के ऊर्जा ग्राउंड में खेला जाएगा,जिसमें छह टीमें भाग लेंगी। इसके लिए बीसीए ने फ्रेंचाइजी पार्टनर बनने के इच्छुक व्यक्तियों और कंपनियों से रुचि पत्र (ईओआई) मांगे हैं। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 7 मई निर्धारित की गई है। शाम 5 बजे तक इच्छुक आवेदक अपना प्रस्ताव ईमेल के माध्यम से info.bpl@bihar-cricketassociation.com पर भेज सकते हैं। इस टूर्नामेंट में टीमों की न्यूनतम बोली राशि 5 करोड़ रुपये प्रति वर्ष तय की गई है। जो इसे बिहार की अब तक की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 50 लाख रुपये की ब्याज मुक्त सुरक्षा राशि भी जमा करनी होगी, जो टूर्नामेंट के समापन के बाद वापस की जाएगी।

बीपीएल में सभी छह टीमें बिहार के प्रमुख शहरों के नाम पर होंगी। इन नामों को बीपीएल की गवर्निंग काउंसिल अंतिम मंजूरी देगी। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण जिओ सिनेमा पर किया जाएगा।

शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों : शुभमन गिल

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि जब टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो हालात टेस्ट मैच जैसे महसूस हो रहे थे। हवा तेज़ चल रही थी और बारिश की वजह से बल्लेबाज़ी करना बेहद कठिन हो गया था।

पावरप्ले में संभलकर खेली क्रिकेटः गिल ने कहा, पावरप्ले के दौरान हमारा गेम प्लान बिल्कुल अलग था। चार से पांच ओवर तक ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों। हमें सामान्य क्रिकेट खेलनी पड़ी। पावरप्ले के बाद सोचा कि अब अपने गेम पर लौटते हैं, लेकिन बारिश बार-बार बाधा डाल रही थी। गुजरात ने पावरप्ले में सिर्फ

29 रन बनाए, लेकिन इसके बाद गिल और जोस बटलर ने 72 रन की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला। फिर गिल और शर्फेन रदरफोर्ड के बीच तेज़ साझेदारी भी हुई, लेकिन अचानक टीम ने 15 गेंदों में 13 रन पर 4 विकेट गंवा दिए, जिससे लय टूट गई और गुजरात डकवर्थ-लुईस स्कोर से भी पीछे हो गई।

ड्रेसिंग रूम में छाए थे निराशा के बादल

गिल ने कहा, उस वक्त ड्रेसिंग रूम में काफी निराशा थी, क्योंकि एक समय हम गेम में काफी आगे थे। फिर जैसे ही वो 4 ओवर का खराब सत्र आया, 13 रन पर 4 विकेट चले गए, तो ऐसा लगा जैसे कोई टेस्ट मैच का सत्र हमारे खिलाफ चला गया हो। वो समय काफी फ्रस्ट्रेटिंग था, लेकिन यूनिवर्स ने हमें एक और मौका दिया और फिर सब ठीक हो गया।

राशिद खान की वापसी से गिल खुश

गिल ने राशिद खान की तारीफ करते हुए कहा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 3 ओवर में 50 रन देने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। चोट से उबरकर वो जैसे नेट्स में मेहनत कर रहे थे और जिस तरह उन्होंने गेंदबाज़ी की, वो हमारे लिए बहुत अच्छा संकेत है।

मिशेल ओवेन को चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह पंजाब किंग्स की टीम में मिली जगह

एजेंसी

धर्मशाला। चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष सत्र के लिए पंजाब किंग्स की टीम में शामिल किया गया है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने 23 वर्षीय ओवेन का टीम में स्वागत करते हुए कहा, ÷मुझे लगता है कि हम सभी इस सत्र के अंतिम चरण के लिए मिशेल ओवेन को अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे मैंने पिछले 12 महीनों में बहुत करीब से देखा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है और साथ ही कुछ बहुत ही उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी भी कर सकता है। मैं उसे टीम का हिस्सा बनाकर वास्तव में उत्साहित हूं।

गुजरात के खिलाफ आखिरी गेंद तक मिली हार के बाद हार्दिक पांड्या बोले- नो बॉल ने हमें हराया

एजेंसी

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बारिश से प्रभावित मुकाबले में मुंबई इंडियंस को गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी गेंद पर तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, लेकिन अंत में कप्तान हार्दिक पांड्या की 'नो बॉल' चिंता की सबसे बड़ी वजह बनी।मैच के बाद हार्दिक ने कहा, ÷कैच छूटने से ज्यादा नुकसान नो बॉल्स ने पहुंचाया। मेरे द्वारा डाले गए दो नो बॉल और आखिरी ओवर में दीपक चाहर की नो बॉल को मैं क्राइम मानता हूं। ये चीजें अक्सर टीम को भारी पड़ती हैं और हमारे साथ भी वही हुआ।

हार्दिक ने 8वें ओवर में दो नो बॉल डालीं, जो 18 रन खर्च करने वाले ओवर में शामिल रहीं। वहीं, आखिरी ओवर में 14 रन बचाने की कोशिश कर रहे दीपक चाहर ने भी अहम मौके पर नो बॉल फेंकी। हार्दिक ने साफ कहा कि कैच ड्रॉप ज्यादा बड़ा कारण नहीं था। हम कैच को लेकर बहुत क्लीनिकल थे। शायद अगर नो बॉल नहीं होती तो जीत हमारी होती। लेकिन मैं खिलाड़ियों से खुश हूं कि उन्होंने 120त्न दिया और आखिरी तक मुकाबले में बने रहे। हार्दिक बोले, यह 150 रन का विकेट नहीं था। पिच पर 175 रन बनने चाहिए थे। हम बल्लेबाज़ी में 20-30 रन पीछे रह गए। लेकिन गेंदबाज़ों ने शानदार वापसी करवाई, खासकर गीली गेंद और बार-बार बारिश से बाधित होते मैच में।हार्दिक ने यह भी बताया कि दूसरी पारी के दौरान गेंद लगातार गीली हो रही थी जिससे

गेंदबाज़ों को दिक्कत हुई। पहली पारी में मैदान सूखा था, लेकिन दूसरी पारी में गेंद गीली होती गई। ये परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं रहीं, लेकिन खेल चलता रहता है।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025: मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने मलखंभ बालक वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। बिहार राज्य की राजधानी पटना में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए मलखंभ बालक वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। वहीं, युग प्रताप सिंह ने 10 मीटर शूटिंग में कांस्य पदक मध्य प्रदेश की झोली में डाला। इस प्रकार मध्य प्रदेश ने अब तक प्रतियोगिता में दो पदक हासिल किए हैं।खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 04 से 15 मई तक बिहार में पटना, राजगीर, भागलपुर, नई दिल्ली, गया में हो रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश का 176 खिलाड़ी और 53 सपोर्ट स्टॉफ सहित कुल 229 सदस्यीय दल 18 खेलों में प्रतिभागिता कर रहा है। यूथ गेम्स में हुई मलखंभ की प्रतिगिता में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश ने 123.60 अंकों के साथ यह स्वर्ण पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र 122.50 के साथ द्वितीय और छत्तीसगढ़ 122.05 के साथ तृतीय स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश की टीम में छह खिलाड़ी-देवेन्द्र पाटीदार, यतिन कोरी, युवराज राव, नीरज काछवा, जयंत राठौर और दक्ष कहार शामिल रहे। वहीं, व्यक्तिगत बालक वर्ग 10 मी. पिस्टल शूटिंग में मध्य प्रदेश के युगप्रताप सिंह राठौर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के मयंक चौधरी ने स्वर्ण और चंडीगढ़ के धैर्य

पराशर ने रजत पदक आर्जित किया। मध्य प्रदेश खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने राज्य खेल मलखंभ के खिलाडियों के इस प्रदर्शन की सराहना की है।

अन्य परिणाम - खेले गए गतका में बालिका फारी सोत्ती टीम प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम ने चंडीगढ़ की टीम को कवाटर फाइनल मुकाबले में हराकर सेमी फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं, ट्रैप बालक वर्ग में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमे मध्य प्रदेश के खिलाडी सैयद अली- तीसरी पोजीशन, दीर्घ चौहान-सातवी पोजीशन, मनित्वा सिंह रावत-ग्यारवी पोजीशन, नवजीत बिश्नोई-तेहरवी पोजीशन और रुस्तम पुखाम्बम-चौदहवीं पोजीशन पर रहे। इस प्रतियोगिता में चौथे और पांचवे राउंड के मुकाबले बुधवार को खेले जाएंगे। इसी तरह ट्रैप बालिका वर्ग में गतका में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाड़ी पूनम रघुवंशी- चौथी पोजीशन, हिना रश्मि बैरवा-आठवीं पोजीशन और अनन्य मौर्या-ग्यारवी पोजीशन पर रहीं। इस प्रतियोगिता में भी चौथे और पांचवें राउंड के मुकाबले बुधवार को होंगे। खेल और युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने भी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि मध्य प्रदेश इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

मेट गाला की रात से पहले ही

प्रियंका चोपड़ा

ने खींचा सबका ध्यान, स्किनफिट ड्रेस में निक की बीवी ने फ्लॉन्ट किया किलर फिगर

फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।

तभी तो इस साल मेट गाला की रात से पहले ही उन्होंने अपने अंदाज से सबका दिल जीत लिया है। दरअसल, प्रियंका ने प्री-मेट इवेंट में शिरकत की थी। इस दौरान की तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर छाई हैं। लुक की बात करें तो प्रियंका ब्लैक फिटिंग ड्रेस में कहर ढा रही थी।

प्रियंका ने अपने लुक को गोल्डन हूप ईयररिंग्स और अंगूठियों के एक स्टाइलिश सेट के साथ कंप्लीट किया जो उनके अंदाज़ में एक बोल्ड टच जोड़ रहा था।उन्होंने ब्लैक स्ट्रैपी हील्स पहनीं जो पूरे आउटफिट को एक मिनिमलिस्टिक लुक दे रही थी।

उनका ब्यूटी लुक भी उतना ही परफेक्ट था। मेकअप फ्रेश लेकिन प्रभावशाली था न्यूड टोन आईशैडो, हल्का स्मज्ड आईलाइनर और घनी पलकें उनके लुक को निखार रही थीं। उनकी भौहें खूबसूरती से गालों पर बल्श के साथ हल्का कॉन्टूर और ग्लो था। एक सॉफ्ट पिंक लिपस्टिक ने पूरे लुक को परफेक्ट बना दिया। इवेंट के लिए प्रियंका ने ओपन हेयर स्टाइल चुना। फैंस प्रियंका की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

शाहिद कपूर से शादी के बाद

मीरा राजपूत

ने डिलीट किया था फेसबुक अकाउंट, बताया किस बात का था डर

शाहिद कपूर की वाइफ मीरा का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं है। हालांकि अब वह बॉलीवुड वाइफ बन चुकी हैं। एक पॉडकास्ट के दौरान मीरा ने बताया कि शादी की शुरुआत में उन्हें किस तरह के चैलेंजेज का सामना करना पड़ा था। मीरा को अचानक लाइमलाइट मिलने लगा। फेसबुक

फ्रेंड रिक्वेस्ट्स से भर गया तो वह डर गई थीं। उन्होंने अपना फेसबुक ही डिलीट कर दिया था।

फ्रेंड रिक्वेस्ट देख डर गई मीरा

मीरा राजपूत मोमेंट्स ऑफ साइलेंस पॉडकास्ट में थीं। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह महज 20 साल की थीं। अचानक इतनी लाइमलाइट मिलने लगी। मीरा ने बताया कि शादी के बाद उन्होंने सबसे पहले क्या किया। वह बताती हैं, मेरे पास अचानक से 3000 फ्रेंड रिक्वेस्ट गईं। उस वक्त 3000 ऐसा लग रहा था कि पूरी दुनिया है। मैं डर गई कि कोई मेरा अकाउंट न हैक कर ले और मेरी तब की फोटोज देख ले जब मैं 15 साल की थी या किसी पार्टी में थी और मेरे कपड़ों से मुझे जज करे।

दोस्तों की आती थी याद

मीरा कपूर ने यह भी बताया कि वह दिल्ली की लड़की से बॉलीवुड एक्टर की वाइफ बन गईं। उनके लिए अडजस्ट करना आसान नहीं था। उन्हें शहर बदलना था और एक पब्लिक फिगर की बीवी वाली जिंदगी जीनी थी। मीरा ने बताया कि लोगों को भले ही उनकी जिंदगी परीकथा जैसी लगती हो लेकिन वह अकेली हो गई थीं। उन्हें अपने दोस्तों को देखकर लगता था कि काश वह भी वो सब कर पातीं जो उनके दोस्त कर रहे हैं।

गैंगस्टा वाइब में शाहरुख खान का धमाकेदार डेब्यू, प्रेग्नेंट कियारा ने फ्लॉन्ट किया 'बेबी बंप', छा गए दिलजीत दोसांझ

मेट गाला 2025 का आयोजन हो चुका है. 'फैशन का ऑस्कर' कहे जाने वाला मेट गाला इस बार बॉलीवुड के लिए भी काफी खास रहा. जहां बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने धमाकेदार अंदाज में डेब्यू किया. तो वहीं दूसरी ओर प्रेग्नेंट कियारा आडवाणी ने भी 'बेबी बंप' फ्लॉन्ट किया है. हालांकि, सबसे हटकर अंदाज में दिखाई दिए पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ, जिन्होंने एकदम महाराजा वाले लुक में लाइमलाइट चुरा ली. शुरुआत शाहरुख खान से कर रहते हैं, साथ ही सभी स्टार्स की ड्रेस डिटेलिंग पर भी बात करेंगे.दरअसल न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में मई के पहले हफ्ते में हर साल मेट गाला का आयोजन होता है. इस साल इसका आयोजन 5 मई को हुआ था. जो भारत के समय अनुसार मंगलवार यानी 6 मई को सुबह साढ़े 3 बजे से देखा जा सका.

शाहरुख खान का धमाकेदार डेब्यू

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान का मेट गाला 2025 में धमाकेदार डेब्यू हुआ. जहां वो एकदम गैंगस्टा वाइब में दिखाई दिए. डिजाइनर सब्यासाची के आउटफिट में शाहरुख खान काफी जच रहे थे. किंग खान की तस्वीरों पर खुद आलिया भट्ट ने भी 'लीजेंड' लिखते हुए कमेंट किया है. इन तस्वीरों में शाहरुख खान एकदम बैडी लुक में छा गए.

ब्लैक आउटफिट और गले में च नाम का पैंडेंट पहना हुआ है. जिसे लोग देखकर बोले- किंग वाली ही बात है सच में. प्लीटेन साटन कमरबंद, क्रेप टी साइन सिल्क शर्ट और सुपरफाइन ट्राउजर कैरी किया है. साथ ही उन्होंने हाथों में कई सारी रिंग्स पहनी हैं, जो काफी कूल लुक दे रही हैं.

प्रेग्नेंट कियारा ने पहली बार दिखाया बेबी बंप

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने वाली हैं. हाल ही में उन्होंने प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी. इसी बीच मेट गाला 2025 में पहली बार बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए नजर आईं. उनकी ड्रेस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. उन्होंने अपने मेट गाला डेब्यू में टेलर्ड फॉर यू' थीम पर बेस्ड कॉस्ट्यूम पहना था. ब्लैक ऑफ शोल्डर गाउन को गोल्डन ब्रालेट के साथ पेयर किया था. हालांकि, ब्रालेट के साथ एक छोटा सा हार्ट भी था, जो चेन से कनेक्टेड था. यह उनके बेबी के लिए स्पेशल साइन था. लोग तारीफ कर रहे हैं. वो पति सिद्धार्थ के साथ इस खास मौके के लिए यहां पहुंची हैं.

जब पवनदीप राजन ने स्वीकारा मनोज मुंतशिर का चैलेंज, मंच पर सबके सामने जो किया, हर कोई रह गया था दंग

अपनी आवाज से लाखों दिलों पर राज करने वाले पवनदीप राजन अस्पताल में भर्ती हैं. 5 मई को उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसके बाद से नोएडा में उनका इलाज चल रहा है. उन्होंने पिछले कुछ सालों में लोगों के दिलों में बेहद ही खास जगह बनाई है. वो सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' के जरिए लोगों की नजरों में आए थे. उन्होंने इस शो का खिताब तो अपने नाम किया ही था, साथ ही कई ऐसे कारनामे भी कर दिखाए थे, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया था.'इंडियन आइडल 12' में एक दफा मनोज मुंतशिर के सामने पवनदीप ने उनका ही लिखा गाना 'तेरी मिट्टी' गाया था. पवन की आवाज सुनकर मनोज ने उनकी काफी तारीफ की थी, साथ ही उन्होंने पवन को एक चैलेंज भी दिया था और कहा था कि अगर वो इस चैलेंज को पूरा कर लेते हैं तो वो उन्हें टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार से मिलवाएंगे. चैलेंज एक संगीत कंपोज करने का था.

मनोज मुंतशिर ने क्या कहा था ?

मनोज मुंतशिर ने कहा था, मैं आपको टेस्ट करना चाहता हूं. और ये टेस्ट सिर्फ एक टेस्ट नहीं है. मैं इंडियन आइडल के स्टेज से नेशनल टेलीविजन पर एक वादा करता हूं कि अगर आप इस टेस्ट में पास हुए, तो मैं टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार जी के पास ले जाकर, उनके सामने आपको बिठाऊंगा और एक धुन जो आप अभी बनाने वाले, वो आप डायरेक्टली उनको सुनाएंगे.

चैलेंज में मनोज के साथ उनके को-कंटेस्टेंट आशीष कुलकर्णी भी थे. चैलेंज को मुश्किल बनाते हुए मनोज मुंतशिर ने दोनों को ज्यादा समय नहीं दिया था. उन्होंने तुरंत ही लिरिक्स दे दिए थे और कहा था कि आपके पास ज्यादा समय नहीं है, कुछ ही पल में आपको कंपोजिशन तैयार करना है. इस चैलेंज को स्वीकार करते हुए पवनदीप और आशीष ने कंपोजिशन तैयार भी कर दिया था.

तारीफ में अनु मलिक ने क्या कहा था ?

उस गाने के लिरिक्स कुछ इस तरह थे, ज्यादा कुछ सोचा नहीं कह दिया था तो कह दिया. हमने तुमको जिंदगी कह दिया तो कह दिया. पवनदीप और आशीष ने मिलकर ऐसा कंपोजिशन तैयार किया था और अपनी आवाज से ऐसा गाना गया था कि हर कोई हैरान रह गया था कि दोनों ने इतने कम समय में कैसे कंपोज कर दिया. धुन सुनने के बाद मनोज ने मजाकिया अंदाज में कहा था, पवन-आशीष मेरे पास 10-12 मुखड़े और हैं, प्लीज कंपोज कर दो यार.

शो के जज अनु मलिक ने भी दोनों की तारीफ की थी और कहा था, मैंने अच्छे की उम्मीद की थी, लेकिन मैं ईमादारी से कहना चाहता हूं कि मैंने इतने अच्छे की उम्मीद नहीं की थी. उन्होंने ये भी कहा था, इंडियन आइडल के मंच पर सिंगर्स तो पैदा होते ही हैं, अब संगीतकार भी पैदा हो गया है.

ऑपरेशन सिंदूर' पर पाक झूठ बेनकाब, केन्द्र ने बताया इसे भ्रामक प्रचार

नई दिल्ली
'ऑपरेशन सिंदूर' पर पाकिस्तान का प्रोपेगेंडा तंत्र सक्रिय हो गया है। मंगलवार देर रात भारत द्वारा चलाए गए निर्णायक सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने एक संगठित और उग्र भ्रामक प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। फेक खबरों को खारिज करते हुए केन्द्र सरकार ने इसे एक हताश प्रयास बताया है। बुधवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जानकारी दी कि पाकिस्तान की तरफ से फैलाया जा रहा झूठ ध्यान भटकाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। एक ओर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाया गया यह अभियान सटीक और प्रभावी रहा, दूसरी ओर पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया अकाउंट्स और यहां तक कि कुछ प्रमुख राजनीतिक हस्तियां भी जानबूझकर झूठी खबरें फैला रही हैं, बनावटी सैन्य जीत और काल्पनिक जवाबी कार्रवाई की कहानियां गढ़ी जा रही हैं, जिनका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। पीआईबी फैक्ट चेक ने वायरल पुरानी तस्वीरें, जिसमें दावा किया गया कि पाकिस्तान की सेना ने बहावलपुर के पास एक भारतीय राफेल विमान को मार गिराया का हवाला देते हुए खारिज कर दिया।

पीआईबी फैक्ट चेक ने पुष्टि की कि यह तस्वीर दरअसल 2021 में पंजाब के मोगा में हुए एक मिग-21 दुर्घटना की है। इसका मौजूदा घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं है। इसके साथ झूठा दावा एक वीडियो के रूप में सामने आया, जिसमें यह गलत तरीके से दावा किया गया कि भारतीय सेना ने चोरा पोस्ट पर सफेद झंडा उठाकर आत्मसमर्पण कर दिया। इस झूठे और मनगढ़ंत नैरेटिव को पाकिस्तान के मंत्री अत्ता उल्ला तारड़ ने न केवल समर्थन दिया बल्कि बिना किसी सबूत के सार्वजनिक रूप से इस दावे की पुष्टि भी की। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह स्पष्ट रूप से झूठी और अप्रमाणित कहानी को आधिकारिक समर्थन देकर, तारड़ ने न केवल अपने नागरिकों को गुमराह किया, बल्कि इस प्रोपेगेंडा अभियान को सक्रिय रूप से बढ़ावा भी दिया। एक और भ्रामक पोस्ट में एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें दावा किया गया कि पाकिस्तान एयरफोर्स ने श्रीनगर एयरबेस को निशाना बनाया। लेकिन सच्चाई यह है कि यह वीडियो 2024 की शुरूआत में खैबर पख्तूनख्वा, पाकिस्तान में हुए सांप्रदायिक झड़पों का है।

ऑपरेशन सिंदूर: देशभर में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल

ऑपरेशन सिंदूर के बीच आपात स्थिति की तैयारी, 244 जिलों में हुआ ड्रिल

नई दिल्ली
देशभर में बुधवार को कई प्रमुख स्थानों पर ब्लैकआउट मॉक ड्रिल की गई। यह अभ्यास गृह मंत्रालय के निर्देश पर किया गया। इसका उद्देश्य आपात स्थिति से निपटने की तैयारी की जांच करना था। दिल्ली के राष्ट्रपति भवन और विजय चौक से लेकर पटना के राज भवन तक कई अहम इमारतों की बिजली कुछ समय के लिए काट दी गई। ब्लैकआउट देश की सुरक्षा व्यवस्था और प्रतिक्रिया क्षमता को जांचने का एक उपाय है। ड्रिल में राजधानी दिल्ली सहित देश के प्रमुख शहर शामिल हुए। इसमें राजस्थान का बाड़मेर, मध्य प्रदेश का ग्वालियर, गुजरात का सूरत, हिमाचल प्रदेश का शिमला और बिहार का पटना शहर प्रमुख रहा।

सुबह से ही देश के बड़े शहरों में मॉक ड्रिल चल रही थी। दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, जयपुर और ग्वालियर में सुरक्षाबलों और प्रशासन ने समन्वय कर विभिन्न आपात परिदृश्यों का अभ्यास किया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के अनुसार ब्लैकआउट एक्शन प्लान नागरिक सुरक्षा तैयारियों का महत्वपूर्ण घटक है। आपातकालीन या प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान शांत और तैयार रहना राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित अभ्यास और ऐसी योजनाओं के बारे में जागरूकता नागरिकों को महत्वपूर्ण परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने में मदद कर सकती है। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार सुबह ही 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। इस कार्रवाई में पाकिस्तान और पाक-अधिकृत कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। इससे आज के ब्लैकआउट और मॉकड्रिल की अहमियत और बढ़ जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आज भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का कड़ा जवाब दिया। आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी।

दिल्ली के 15 जिलों में एक साथ हुआ मॉक ड्रिल

नई दिल्ली
पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के मद्देनजर बुधवार को दिल्ली के सभी 15 जिलों में बुधवार शाम 4 बजे मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसका मकसद किसी अनहोनी घटना पर जानमाल को कैसे बचाया जाए, इसके बारे में लोगों को जागरूक करना था। इसी क्रम में नई दिल्ली स्थित एनडीएमसी बिल्डिंग, जो नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन का मुख्यालय है, यहां भी मॉक ड्रिल किया गया। इसके अलावा नई दिल्ली जिले के छह प्रमुख स्थानों पर मॉक ड्रिल कर कार्यालय, मुख्यालय और मार्केट में मौजूद लोगों को जागरूक किया गया।

यह आयोजन दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में एक ही समय पर शुरू हुआ। जिनमें सरकारी कार्यालय से लेकर अस्पताल और स्कूल आदि शामिल रहे। नई दिल्ली इलाके में खान मार्केट, एनडीएमसी कार्यालय भवन, पालिका केंद्र, चरक पालिका अस्पताल, वसंत विहार की डी-6 आवासीय कॉलोनी, आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल, केंद्रीय विद्यालय और दिल्ली कैंट में मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान सभी स्थानों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार शाम के 4 बजते ही लोगों को अचानक सायरन की आवाज सुनाई दी। राहत व बचाव कार्य के लिए तैनात कर्मचारी दफ्तर, मुख्यालय में मौजूद लोगों को कैसे बचाया जाएगा, इसका प्रदर्शन करने के लिए भागे। सिविल डिफेंस, दिल्ली दमकल विभाग, दिल्ली पुलिस, एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद रही। दमकल विभाग की क्रेन से ऊपरी मंजिल पर फंसे लोगों को नीचे उतारा गया और दमकल की गाड़ियों को पानी की बौछार कर आग बुझाने जैसी स्थिति का भी प्रदर्शन किया गया। इसी तरह सभी 15 जिलों में मॉक ड्रिल की गई और इस दौरान संबंधित जिले के डीएम भी मौजूद रहे। पुलिस रही अलर्ट ...वहीं भारत-पाकिस्तान युद्ध की आशंका को लेकर दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट हो गई है। नई दिल्ली की सुरक्षा को लेकर खासतौर पर पुलिस तैयारी कर रही है। नई दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा उपकरणों का आधुनिकीकरण भी किया है। नई दिल्ली इलाके की सुरक्षा को लेकर लॉन्ग रेंज एकॉस्टिक डिवाइस सिस्टम तैनात किया है। इसका मुख्य मकसद नई दिल्ली इलाके में भीड़भाड़ के दौरान भीड़ को हटाने के लिए साउंड का इस्तेमाल करना है। नई दिल्ली का क्षेत्र अति सुरक्षित और वीआईपी इलाका है। यहां पर संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट जैसे कई महत्वपूर्ण स्थान मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की दी जानकारी।

पुरानी दिल्ली के बाजारों को दूसरी जगह शिफ्ट करने के पक्ष में नहीं दिल्ली के ज्यादातर व्यापारी - सीटीआई

दिव्या दिल्ली : कुछ दिन पहले दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने व्यापारियों के एक कार्यक्रम में कहा था कि आज की जरूरत है कि सदर बाजार, चांदनी चौक जैसे बाजारों को नयी जगह स्थापित किया जाए , इसके बाद से इसको लेकर पुरानी दिल्ली के बाजारों विशेषकर चांदनी चौक, सदर बाजार आदि के दुकानदारों में जबरदस्त चर्चा चल रही है ,व्यापारियों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस मुद्दे पर दिल्ली में व्यापारियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से चांदनी चौक,सदर बाजार और पुरानी दिल्ली के सैकड़ों

व्यापारियों ने इस मुद्दे पर सीटीआई से संपर्क किया है,बृजेश गोयल ने बताया कि उन्होंने पुरानी दिल्ली के व्यापारियों और मार्केट एसोसिएशन्स के व्हाट्सएप ग्रुपों में इसको लेकर सर्वे कराया है,सर्वे में चांदनी चौक, सदर बाजार आदि के 1198 व्यापारियों ने अपनी राय दी है, इनमें से 88% यानी 1055 व्यापारियों का विचार हैं कि चांदनी चौक,सदर बाजार आदि बाजारों को दूसरी जगह शिफ्ट नहीं किया जाना चाहिए बल्कि वहीं पर ही बाजारों का रिडेवलपमेंट और सौंदर्यीकरण करते हुए सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए,वहीं कुछ व्यापारियों का विचार हैं कि सरकार को चीन और दुबई की तरह अलग अलग ट्रेड एवं सेक्टर के हिसाब से बड़े बड़े मार्केट हब स्थापित करने चाहिए।सीटीआई वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने बताया कि चांदनी चौक, सदर बाजार के ज्यादातर व्यापारी यही चाहते हैं कि हमें यहीं पर मल्टीलेवल पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाए और बाजारों से अवैध रेहड़ी पटरी और अतिक्रमण हटाया जाए तो 50% समस्या तो वैसे ही खत्म हो जाएगी,बृजेश गोयल ने बताया कि इस मुद्दे पर व्यापारियों का पुराना अनुभव अच्छा नहीं है क्योंकि चावड़ी बाजार के पेपर मार्केट और खारी बावली के केमिकल मार्केट को कुछ सालों पहले दूसरी जगह शिफ्ट करने का आदेश आया था लेकिन जहां पर इन दोनों बाजारों को शिफ्ट किया जाना था वहां पर आज तक भी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकी हैं जिसके कारण आज तक ये दोनों बाजार शिफ्ट नहीं हो पाए हैं ,सीटीआई का कहना है कि सारा दोष DDA का है।

प्राची गायकवाड ने दिल्ली में खेले जा रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में शूटिंग में गोल्ड जीता

दिव्या दिल्ली : दिल्ली स्थित कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में चल रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के दूसरे दिन महाराष्ट्र की प्राची ससिकांत गायकवाड ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (युवा महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्राची ने कुल 458.4 अंक हासिल कर पहला स्थान पाया।कर्नाटक की तिलोत्तमा ने 455.6 अंकों के साथ रजत और अनुष्का ने 445.7 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। प्राची ने कहा, "यह मेरा खेलो इंडिया में दूसरा मौका है। पिछले साल चेन्नई में कांस्य जीता था, इस बार स्वर्ण पदक जीतकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं खेलो इंडिया के मान्यता प्राप्त केंद्रों को धन्यवाद देना चाहूंगी, जहां मुझे सही संसाधन और प्रशिक्षण मिला। स्वप्निल सर मेरे आदर्श हैं और उनकी ट्रेनिंग को फॉलो करती हूं–वो अगली पीढ़ी के शूटर्स को तैयार करने के लिए जाने जाते हैं। महाराष्ट्र की खेलों में गौरवशाली परंपरा है और मैं राज्य का प्रतिनिधित्व करके गर्व महसूस करती हूं।"दिल्ली 4 से 15 मई तक कर्णी सिंह शूटिंग रेंज और इंदिरा गांधी स्टेडियम में शूटिंग, साइक्लिंग और जिम्नास्टिक्स की मेजबानी कर रही है। देशभर से, विशेषकर बिहार जैसे राज्यों से आए खिलाड़ी अपने शानदार प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ रहे हैं।

पी बी इवेंट ट्रस्ट ऑगेर्नाइजेशन जून 2025 में ऋषिकेश, उत्तराखंड में बच्चों के लिए समर कैंप और एजुकेशन कॉन्क्लेव का आयोजन करेगा

दिव्या दिल्ली : पी बी इवेंट एक पंजीकृत ऑगेर्नाइजेशन है जो आए दिन नए नए प्रोगाम करती हैं। पी बी इवेंट किड्स फैशन शो के बाद जून 2025 में ऋषिकेश, उत्तराखंड की पावन भूमि पर बच्चों के लिए एक विशेष समर कैंप और एजुकेशन कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल दुनिया की सीमाओं से बाहर निकालकर प्रकृति, संस्कृति और आत्मचिंतन के करीब लाना है, ताकि वे असली जीवन से जुड़े और जीवन के महत्वपूर्ण सबक सीख सकें। कैंप में बच्चों के लिए रचनात्मक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक

गतिविधियों के साथ-साथ आध्यात्मिक सत्र भी रखे गए हैं, जहाँ बच्चों को भारतीय संस्कृति, मूल्यों और आत्मिक शांति से अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा विशेषज्ञों द्वारा एजुकेशनल कॉन्क्लेव के अंतर्गत ज्ञानवर्धक सेशन्स भी आयोजित किए जाएंगे, जो उनके बौद्धिक विकास में सहायक होंगे। इस कार्यक्रम के लिए स्पॉन्सर्स, गिफ्ट पार्टनर, फूड पार्टनर और ट्रांसपोर्ट पार्टनर भी आमंत्रित हैं। जो लोग किसी भी रूप में समाज के बच्चों के लिए सहयोग करना चाहते हैं, वे इस नेक पहल से जुड़ सकते हैं और योगदान दे सकते हैं।

इस पहल की सबसे खास बात यह है कि बच्चों के साथ एक महिला अभिभावक या माँ भी शामिल हो सकती हैं, जिससे बच्चों को एक सुरक्षित और प्रेरणादायक माहौल मिलेगा। पी बी इवेंट ट्रस्ट ऑगेर्नाइजेशन की को-फाउंडर अर्चना गौड़ ने बताया कि इस कैंप में NGO, अनाथालय, दिव्यांग बच्चों सहित सभी वर्गों के बच्चों को शामिल किया गया है क्योंकि हर बच्चे को समाज में समानता का अधिकार मिलना चाहिए, क्योंकि यही बच्चे कल का भविष्य हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम चाहते हैं कि बच्चे कुछ दिन AC की ज़िंदगी से बाहर आकर खुले आसमान के नीचे, पहाड़ों और नदियों के बीच असली दुनिया को देखें, महसूस करें और उससे सीखें।

आतंक के खिलाफ कार्रवाई के बाद विश्व नेताओं से जयशंकर की बातचीत

नई दिल्ली
पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने विश्व के कई प्रमुख नेताओं से बातचीत की और भारत की स्थिति स्पष्ट की। इन बातचीतों का उद्देश्य भारत की आतंक पर की गई सटीक एवं निर्णायक कार्रवाई की जानकारी देना और आतंक के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करना था। विदेश मंत्री ने एक्स पोस्ट में विश्व नेताओं से बातचीत की जानकारी दी। डॉ. जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जस्सिम बिन जाबिर अल थानी से बातचीत की। उन्होंने भारत की लक्षित और संतुलित कार्रवाई की जानकारी दी और सीमा पार आतंकवाद को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया के साथ हुई बातचीत में डॉ. जयशंकर ने 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा के लिए जापान का आभार व्यक्त किया।

नितिन बुक्स की ओर से स्वर्गीय पिता-बाबा की पुण्यतिथि पर भव्य राम भजन-कीर्तन समारोह सम्पन्न, क्षेत्रीय श्रद्धालुओं और गणमान्य अतिथियों की भावपूर्ण सहभागिता"

दिव्या दिल्ली : स्वर्गीय पिता और स्वर्गीय बाबा की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर 'नितिन बुक्स' की ओर से एक भव्य राम भजन और कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह धार्मिक आयोजन पश्चिम विहार स्थित ज्वालाहेड़ी पंचायत घर में सम्पन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के अनेक श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें भक्तिमय वातावरण के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के भजनों का आनंद लिया। पूरा परिसर भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आया। भजन-कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं ने दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और समाज में धार्मिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था को पुनः पुष्ट किया। इस अवसर पर उत्तम नगर से विधायक पवन शर्मा, रानी बाग थाने के थाना प्रभारी (र.ल.ड) प्रभांशु कुमार सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के गणमान्य

अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान र.ल.ड प्रभांशु कुमार का विशेष रूप से सम्मान किया गया। उन्हें आयोजकों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में श्री प्रभांशु कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये कार्यक्रम न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को भी मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के आयोजक 'नितिन ने बताया कि यह आयोजन परिवार के दिवंगत बुजुर्गों की पुण्य स्मृति में किया गया, ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले और समाज में संस्कारों की परंपरा जीवित रहे। भजन-कीर्तन के उपरांत सभी उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का समापन भक्तिपूर्ण वातावरण में किया गया, जिसमें सभी ने ईश्वर से समाज में शांति, प्रेम और सद्भाव की प्रार्थना की।

दिल्ली के नेता और मंत्री बोले, ऑपरेशन सिंदूर ने दिया आतंक को न बर्दाश्त करने का संदेश

नई दिल्ली
दिल्ली भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली सरकार के मंत्रियों, भाजपा सांसदों, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से आतंक न बर्दाश्त करने और दुश्मनों करारा जवाब देने की संदेश दिया है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सेना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई दी है। उन्होंने बुधवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि इतने बड़े ऑपरेशन सिंदूर में वायुसेना ने अपने सभी पूर्व निर्धारित आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। वायु सेना ने किसी सामान्य नागरिक को क्षति पहुंचे बिना यह ऑपरेशन सफल किया। यह भारतीय सैन्य बलों की पराक्रम की पराकाष्ठा है। दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने एक्स पर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सच्ची वीरांगना कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने न केवल सेना में महिलाओं की भागीदारी का नया इतिहास रचा है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397